शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 270 | गुवाहाटी | गुरुवार, 7 मई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बंगाल में हिंसा पर पुलिस का एक्शन, 80 लोग गिरफ्तार; बिना इजाजत जुलूस पर रोक पेज 2
राजग की जीत असम और देश को चाहने वाले जनता जनार्दन की... पेज 3
रक्षा त्रिवेणी संगम से आत्मनिर्भर भारत को मिलेगी नई गति : योगी पेज 5
आईपीएल के प्लेऑफ और फाइनल की मेजबानी न मिलने से केएससीए निराश... पेज 7

हिमंत विश्व शर्मा, जालुकबारी
प्राप्त मतों की संख्या :1,27,151

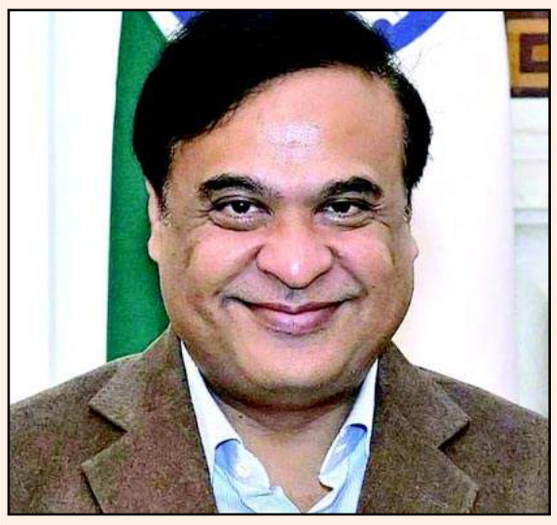

भाजपा के प्रमुख विजयी प्रार्थी

पीयूष हजारिका
जागीरोड
प्राप्त मतों की संख्या
1,55,129

अशोक सिंघल
ढेकियाजुली
प्राप्त मतों की संख्या
1,11,880

दिपलु रंजन शर्मा
न्यू गुवाहाटी
प्राप्त मतों की संख्या
89,636

प्रद्युत बरदलै
दिसपुर
प्राप्त मतों की संख्या
1,03,337

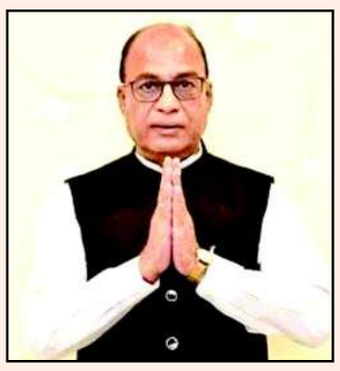

विजय कुमार गुप्ता
मध्य गुवाहाटी
प्राप्त मतों की संख्या
1,01,297

12 को हो सकता है शपथ ग्रहण
हिमंत दूसरी बार बनेंगे सीएम

राज्यपाल को सौंपी गई चुने हुए सदस्यों की सूची

गुवाहाटी (एजे /हि.स.)। असम में भाजपा नीत एनडीए सरकार लगातार तीसरी बार सत्ता संभालने जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 12 मई को आयोजित किया जा सकता है। विधानसभा चुनाव में गठबंधन की निर्णायक जीत के बाद सरकार गठन की तैयारियां तेज हो गई हैं। सूत्रों के अनुसार, 10 मई सुबह 10 बजे गुवाहाटी में एनडीए विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें गठबंधन विधायक औपचारिक रूप से अपने नेता का चुनाव करेंगे। इसके मद्देनजर सभी विजयी एनडीए उम्मीदवारों को 9 मई तक गुवाहाटी पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के भी 9 मई को असम पहुंचने की संभावना है। दोनों नेता सरकार गठन से जुड़ी बैठकों और कार्यक्रमों में हिस्सा ले सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि विधायक दल की बैठक के बाद एनडीए प्रतिनिधिमंडल 10 मई की शाम राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आर्य के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश कर सकता है। हाल ही में संपन्न असम विधानसभा चुनाव में भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। इसके साथ ही मौजूदा मुख्यमंत्री हिमंत शर्मा के एक बार फिर मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया है। इससे पहले बुधवार को हिमंत विश्व शर्मा ने राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव परिणामों की अधिसूचना जारी किए जाने के बाद लोकतांत्रिक परंपरा के तहत मंत्रिपरिषद का इस्तीफा दिया गया है। शर्मा ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के साथ मौजूदा विधानसभा को भंग करने की सिफारिश भी की, जिसे राज्यपाल ने स्वीकार कर लिया। साथ ही नई सरकार के गठन तक मौजूदा सरकार को कार्यवाहक सरकार के रूप में काम जारी रखने को कहा गया है। उधर असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ), अनुराग गोयल ने भारत निर्वाचन आयोग के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर असम विधानसभा चुनाव 2026 के आम चुनावों के सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद नई असम विधानसभा के गठन के लिए असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को आज असम विधानसभा के नव-निर्वाचित सदस्यों की सूची सौंपी। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) गठबंधन ने कुल 102 सीटें हासिल कीं, जिनमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा जीती गई 82 सीटें, असम गण परिषद (अगप) द्वारा 10 सीटें और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) द्वारा 10 सीटें शामिल हैं। दूसरी ओर, कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 21 सीटें हासिल कीं, जिनमें से कांग्रेस ने 19 सीटें और राइजर दल ने 2 सीटें जीतीं। ऑल इंडिया यूनाइटेड -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में नई सरकार की तैयारियां शुरू
9 को ब्रिगेड ग्राउंड में होगा शपथ ग्रहण का आयोजन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण की तारीख सामने आ गई है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य के अनुसार, नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण 9 मई को ब्रिगेड परेड ग्राउंड में सुबह 10 बजे से शुरू होगा। पश्चिम बंगाल में नई सरकार के गठन को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने बुधवार को घोषणा की कि राज्य में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 9 मई को आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम कोलकाता के प्रतिष्ठित ब्रिगेड परेड ग्राउंड में सुबह 10 बजे से शुरू होगा। इस मौके पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, शपथ समारोह में प्रधानमंत्री, एनडीए व भाजपा के सभी मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री शामिल होंगे। -शेष पृष्ठ दो पर

टीवीके चीफ विजय ने किया सरकार बनाने का दावा

नई दिल्ली। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के चीफ थलापति विजय ने आज बुधवार को तमिलनाडु के गवर्नर राजेंद्र अर्लेकर से मुलाकात की है और सरकार बनाने का दावा पेश किया है। तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में विजय की पार्टी टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। टीवीके ने 108 सीटें हासिल कीं और विजय राज्यपाल से मिलने लोकभवन पहुंचे हैं। टीवीके ने 108 सीटें जीती हैं, लेकिन सरकार बनाने के लिए किसी भी पार्टी -शेष पृष्ठ दो पर

मुझे बर्खास्त कर दो इस्तीफा नहीं दूंगी : ममता

कोलकाता। विधानसभा चुनाव में झटके के बाद तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने बुधवार को कालीघाट में पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों और वरिष्ठ नेताओं की बैठक में आक्रामक रुख अपनाया। ममता बनर्जी ने स्पष्ट कहा कि वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगी और यदि हटाना है तो राज्यपाल उन्हें बर्खास्त करें। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी भी मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने चुनावी नतीजों के बाद पार्टी की आगे की रणनीति पर चर्चा की और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया। ममता बनर्जी ने चुनाव प्रक्रिया को अत्याचार बताते हुए गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

एक नेता वह होता है जिसकी एक सोच हो, जिसमें कुछ कर गुजरने का जज्बा हो। जो मुश्किलों में डरे नहीं। बल्कि उसे यह पता हो कि समस्याओं का सामना कैसे किया जाए। सबसे महत्वपूर्ण, जो अपनी बात पर कायम रहे।

- अब्दुल कलाम

एमबीबीएस में 22वां स्थान हासिल कर कृशानु ने पूरे जिले का नाम किया रोशन

गुवाहाटी। इस साल घोषित एमबीबीएस की अंतिम परीक्षा के नतीजों में राज्य में 22वां स्थान हासिल करके कृशानु देव राय ने बंगाईगांव का नाम रोशन किया है। बंगाईगांव के काकोइजाना के रहने वाले राय ने अपनी मेडिकल की पढ़ाई गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज से की, जहां उन्होंने बेहतरीन अकादमिक प्रदर्शन के साथ अपना कोर्स पूरा किया। राय ने मेडिसिन, प्रसूति एवं स्त्री रोग (Obstetrics and Gynaecology), -शेष पृष्ठ दो पर

वंदे मातरम गीत को राष्ट्रगान जैसा दर्जा
अपमान करने या गायन में बाधा डालने पर सजा-जुर्माना

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल और असम में शानदार जीत के बाद, नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रगान वंदे मातरम को जन गण मन के समान दर्जा देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी - इन चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश - के चुनाव परिणामों के बाद मंगलवार को हुई पहली कैबिनेट बैठक में लिया गया। मंत्रियों ने पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक जीत बताते हुए प्रधानमंत्री को बधाई भी दी। अधिकारियों के अनुसार, -शेष पृष्ठ दो पर

भुवनेश्वर में भीषण आग, बच्ची समेत तीन लोगों की मौत

भुवनेश्वर। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के लक्ष्मीसागर इलाके स्थित बसंती विला अपार्टमेंट में बुधवार तड़के भीषण आग लगने से 10 वर्षीय बच्ची समेत तीन लोगों की मौत हो गई। आग सुबह करीब 4 बजे ग्राउंड फ्लोर पर लगी, जिसके बाद इमारत में धुआं भर गया। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में बुधवार तड़के एक रिहायशी इमारत में भीषण आग लगने से एक बच्ची समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद -शेष पृष्ठ दो पर

भारत-वियतनाम साथ चलेंगे, साथ बढ़ेंगे, साथ जीतेंगे : पीएम मोदी

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत और वियतनाम के संबंध अब बेहतर व्यापक रणनीतिक साझेदारी के नए चरण में प्रवेश कर रहे हैं और दोनों देश मिलकर विकास और समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हम साथ चलेंगे, साथ बढ़ेंगे, और साथ जीतेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम के बीच बुधवार को हुई उच्चस्तरीय वार्ता के बाद भारत और वियतनाम ने अपने संबंधों को बेहतर व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने की घोषणा की। दोनों देशों ने व्यापार, रक्षा, कनेक्टिविटी और रणनीतिक सहयोग को नई गति देने का संकल्प संकल्प भी लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त पत्रकार वार्ता में कहा कि राष्ट्रपति तो लाम का भारत दौरा दोनों देशों के बीच मजबूत होते संबंधों और आपसी -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार में आज कैबिनेट का विस्तार, निशांत बनेंगे मंत्री

पटना। बिहार में कल यानी गुरुवार को सम्राट कैबिनेट का विस्तार होगा। इससे पहले वहां से एक बड़ी खबर सामने आई है। पूर्व मुख्यमंत्री और जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार मंत्री बनेंगे। जानकारी के मुताबिक, जेडीयू के नेताओं ने निशांत को इसके लिए राजी कर लिया है। निशांत ने पहले मंत्री पद लेने से इनकार कर दिया था। यही कारण है कल यानी 7 मई को प्रस्तावित उनकी सद्भाव यात्रा भी स्थगित कर दी गई है। अब यह यात्रा 9 मई से दोबारा शुरू हो सकती है। पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में सम्राट मंत्रिमंडल का विस्तार होना है। पूरे जोर शोर से इसकी तैयारी हो रही है। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और -शेष पृष्ठ दो पर

एससी/एसटी वोट बैंक में भाजपा की बड़ी सेंध

बंगाल-असम की जीत ने दिया बड़ा राजनीतिक संदेश

नई दिल्ली। विधानसभा चुनाव परिणामों में भाजपा ने असम और पश्चिम बंगाल में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित सीटों पर शानदार जीत हासिल की, जो आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों में मजबूत एकजुटता और राजनीतिक समीकरण में बदलाव का संकेत है। तमिलनाडु और पुडुचेरी में भाजपा के सहयोगी दलों ने अनुसूचित जाति और एसटी के लिए आरक्षित सीटों पर अपेक्षाकृत अच्छा प्रदर्शन किया। पश्चिम बंगाल में भाजपा ने अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 75 प्रतिशत सीटें जीतीं और अनुसूचित जनजाति की सभी 16 सीटों पर जीत दर्ज की। असम में भाजपा और उसके सहयोगियों का प्रदर्शन आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों में मजबूत एकजुटता को दर्शाता है। असम की 126 सदस्यीय विधानसभा में अनुसूचित जाति के लिए नौ आरक्षित सीटें हैं, जिनमें से भाजपा ने पांचों पर जीत हासिल की। एनडीए गठबंधन ने अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 8 सीटें जीती हैं, जबकि कांग्रेस को केवल एक सीट मिली है। राज्य में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित 19 सीटें हैं, जिनमें से भाजपा ने 13 सीटें जीती हैं और पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय -शेष पृष्ठ दो पर

विज्ञान और स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए भारत-जापान के बीच हुए कई समझौते

नई दिल्ली (हि.स.)। विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में बुधवार को भारत और जापान के बीच समझौता किया गया है। इसके लिए जापान की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति मंत्री ओनोडा किमी ने एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से मुलाकात की। इस बैठक में दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य और मेडिकल डिवाइस के क्षेत्र में सहयोग के लिए करार किया गया। यह समझौता जापान एजेंसी फॉर मेडिकल रिसर्च एंड डेवलपमेंट, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के बीच हुआ। इसके अलावा, क्वांटम साइंस और टेक्नोलॉजी में सहयोग -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

बंगाल में हिंसा पर पुलिस का एक्शन, 80 लोग गिरफ्तार; बिना इजाजत जुलूस पर रोक

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और सुरक्षा बल की टीम पूरी तरह से सक्रिय है। वहीं, खास तौर से राज्य की राजधानी कोलकाता में विशेष व्यवस्था की गई है। इसको लेकर कोलकाता पुलिस कमिश्नर अजय कुमार नंद ने बुधवार को प्रेस वार्ता भी की। इसमें उन्होंने साफ कहा है कि, लोग किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति बनाए रखें। उन्होंने आगे बताया कि, पुलिस हर स्थिति पर नजर रख रही है और जहां भी गड़बड़ी की कोशिश होगी, वहां तुरंत कार्रवाई की जाएगी। कमिश्नर ने कहा कि न्यूटाउन इलाके में जो घटना सामने आई है, उस पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इस मामले में एक आरोपी को पकड़ लिया गया है। उन्होंने आगे बताया कि, यह मामला दो गुटों के आपसी टकराव का है। इस दौरान कई जगहों से हथियार भी बरामद किए गए हैं। पुलिस का मानना है कि कुछ लोग जानबूझकर माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त

कदम उठाए जाएंगे। पुलिस कमिश्नर अजय कुमार नंद ने यह भी बताया कि अब तक कुल 80 लोगों को अलग-अलग जगहों से गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है, ताकि शहर में कानून व्यवस्था बनी रहे। कमिश्नर ने कहा कि सभी नागरिकों की सुरक्षा उनकी पहली प्राथमिकता है और पुलिस इस जिम्मेदारी को पूरी तरह निभा रही है। जश्न और जुलूस को लेकर भी पुलिस ने साफ नियम बनाए हैं। उन्होंने कहा कि बिना अनुमति के कोई भी जुलूस नहीं निकाला जा सकता। अगर कोई बिना अनुमति के जुलूस निकालता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने खास तौर पर कहा कि जश्न के दौरान जेसीबी का इस्तेमाल बिल्कुल नहीं किया जाएगा। अगर कोई ऐसा करता है तो उस पर भी सख्त कार्रवाई होगी। इसके अलावा कोलकाता में सीआरपीएफ की 65 कंपनियां तैनात हैं और 240 क्विक रिस्पॉन्स टीम भी तैयार हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हुआ है और लोगों ने बिना किसी डर के मतदान किया। कोई बड़ी हिंसा या धमकी की घटना सामने नहीं आई है, केवल कुछ छोटी घटनाएं हुई हैं, जिन पर तुरंत कार्रवाई की गई।

कश्मीर में अमेरिकी पर्यटक की मौत

श्रीनगर (हि.स.)। अमेरिका के एक पर्यटक की यहां डल झील में एक हाउस बोट में रहने के दौरान बेचैनी की शिकायत के बाद बुधवार को मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि जॉन डेविड एंडरसन अपनी पत्नी जूडिथ ऐनी मैक्कार्थी के साथ कश्मीर की यात्रा पर थे और वह आधी रात को बीमार पड़ गए।83 वर्षीय एंडरसन को पास के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है और एंडरसन की मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।

बंगाल में शुक्रवार को चुना जाएगा नया सीएम

नई दिल्ली। बंगाल चुनाव में भाजपा को मिली जीत के बाद विधायक दल के नेता यानी नए मुख्यमंत्री के चुनाव के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को कोलकाता आएंगे। प्रदेश भाजपा के सूत्रों के अनुसार संभवत कल ही शाह की मौजूदगी में विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें नेता का चुनाव किया जाएगा। बंगाल भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने बताया कि नौ मई, शनिवार को रवींद्र जयंती के दिन शपथ ग्रहण समारोह होगा। सुबह 10 बजे, कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड मैदान में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। मालूम हो कि भाजपा के संसदीय बोर्ड ने बंगाल में विधायक दल के नेता के चयन के लिए मंगलवार को गृह मंत्री शाह को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया था।

कांग्रेस ने भाजपा पर जनादेश चोरी करने का लगाया आरोप

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने और जनादेश की चोरी करने का आरोप लगाया। पवन खेड़ा ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि असम और पश्चिम बंगाल में भाजपा ने चुनावी संस्थाओं को अपने नियंत्रण में लेकर मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर हेरफेर किया। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में विशेष पुनरीक्षण के दौरान 91 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए और 27 लाख नागरिकों को सुनवाई का अधिकार तक नहीं दिया गया। कई सीटों पर हटाए गए मतदाताओं की संख्या जीत के अंतर से अधिक रही। खेड़ा ने आरोप लगाया कि यह कोई अलग घटना नहीं है बल्कि भाजपा का सुनियोजित चुनावी खेल है, जिसे मध्य प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, बिहार और 2024 लोकसभा चुनावों में भी अपनाया गया। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र में 6,018 फर्जी आवेदन देकर मतदाता नाम हटाए गए, जिनमें से केवल 24 सही थे। वहीं हरियाणा में एक ही महिला की तस्वीर 223 बार अलग-अलग बूथों पर इस्तेमाल की गई। खेड़ा ने कहा कि महाराष्ट्र में पांच माह के भीतर 40 लाख नए मतदाता जोड़े गए जबकि 2019 से 2024 तक पूरे पांच साल में केवल 32 लाख मतदाता जुड़े थे। मतदान प्रतिशत भी रहस्यमय तरीके से बढ़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अब विपक्ष को खत्म करने के लिए केंद्रीय एजेंसियों, फर्जी मामलों और मतदाता सूची में हेरफेर जैसे हथकंडों का इस्तेमाल कर रही है।

पंच परिवर्तन के संकल्प के साथ आगे बढ़ेगा संघ : आलोक कुमार

शिमला (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह आलोक कुमार ने कहा कि संघ अपने शताब्दी वर्ष में *पंच परिवर्तन* के पांच प्रमुख विषयों कुटुंब प्रबोधन, स्व की भावना, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और नागरिक कर्तव्य पर विशेष रूप से कार्य करेगा, जिससे समाज में सकारात्मक और स्थायी बदलाव लाया जा सके। शिमला में एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए आलोक कुमार ने कहा कि बीते वर्षों में देश की परिस्थितियों में व्यापक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि लगभग दो दशक पहले देश के कई हिस्सों में जाने में लोगों को डर लगता था, जबकि आज स्थिति में सुधार हुआ है। कश्मीर के लाल चौक का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जहां पहले कोई सार्वजनिक उत्सव मनाना मुश्किल था, वहीं अब लोग रात में भी नए साल का जश्न मना रहे हैं। उन्होंने संघ के इतिहास का उल्लेख करते हुए बताया कि हजारों स्वयंसेवकों ने स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया और विभाजन के दौरान विस्थापितों की सहायता के लिए तीन हजार से अधिक शिविर लगाए। उन्होंने कहा कि एक छोटे संगठन के लिए यह बहुत बड़ा कार्य था। इसके अलावा गोवा और हैदराबाद के आंदोलनों में भी संघ की भूमिका रही और देश के विभिन्न हिस्सों में संगठन ने सक्रिय रूप से काम किया। आलोक कुमार ने कहा कि संघ देश की सभी भाषाओं को राष्ट्रीय मानता है, जिससे उसे व्यापक स्वीकार्यता मिली है। पंजाब में कठिन परिस्थितियों के दौरान भी संघ ने कार्य किया और भारत माता की जय को जन-जन का नारा बनाया। उन्होंने पंच परिवर्तन के पांच विषयों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कुटुंब प्रबोधन के तहत परिवारों को सशक्त बनाना, संस्कार देना और परंपराओं का निर्वहन सुनिश्चित करना जरूरी है। *स्व* की भावना पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि देश आज आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है और कई देशों को अनाज व बिजली उपलब्ध करा रहा है। पर्यावरण संरक्षण पर उन्होंने विशेष चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि शिमला जैसे शहर, जो सीमित आबादी के लिए बने थे, आज अत्यधिक दबाव झेल रहे हैं। जल संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि नदियों का प्रदूषण गंभीर समस्या बन चुका है और छोटे-छोटे प्रयासों से इसे सुधारा जा सकता है।

सेंट्रल गुवाहाटी से विधायक बन विजय कुमार गुप्ता ने बढ़ाया मऊ का मान

गुवाहाटी। अमिला नगर पंचायत के सदर बाजार निवासी डॉ. विजय कुमार गुप्ता असम के गुवाहाटी सेंट्रल से विधायक चुने गए हैं। भाजपा ने पहली बार उन्हें टिकट दिया था। उन्होंने गुवाहाटी में जीत दर्ज कर जिले का मान बढ़ाया है। सूचना मिलने पर वैश्य समाज और मोहल्ले के लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और उन्हें बधाई दी। डॉ. विजय कुमार गुप्ता ने 1,01,297 मत प्राप्त किए और निकटतम प्रतिद्वंदी को 61,921 वोटों पराजित किया। वैश्य समाज के अध्यक्ष प्रकाश गुप्त ने बताया कि डॉ. विजय कुमार गुप्ता परिवार के साथ गुवाहाटी में रहते हैं। वह वहां कपड़ा और आभूषण के कारोबारी हैं। पिछले 20 साल से गुवाहाटी में भाजपा ने उन्हें महामंत्री, उपाध्यक्ष सहित कई पदों की जिम्मेदारी दी। वैश्य समाज के पूर्व अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्त, संतोष कुमार गुप्ता, बांकेलाल गुप्त, नवनीत कुमार गुप्त, अमियचंद्र गुप्त, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. अतुल गुप्ता, अवधेश कुमार गुप्ता और जय मंगल प्रसाद गुप्त सहित अन्य लोगों ने उन्हें बधाई दी। मालूम हो कि बिजय कुमार गुप्ता ने कांग्रेस के सहयोगी दल असम जातीय परिषद (एजेपी) की उम्मीदवार कुंकी चौधरी को 61921 बोटों के बड़े अंतर से करारी मात देकर अपना बिजय पताका फहरा दिया है। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट से प्राप्त नतीजों के अनुसार, गुवाहाटी सेंट्रल सीट पर कुल 16 राउंड तक चली मतगणना पूरी होने के बाद विजयी रहे 81। विजय गुप्ता को 101297 वोट मिले। वहीं दूसरे नंबर पर रहीं कुंकी चौधरी को 39376 वोटों से ही संतोष करना पड़ा। तीसरे नंबर पर रहीं आम आदमी पार्टी (आप) की उम्मीदवार अनुरूपा डेकाराजा को महज 1939 वोट मिले और वो अपनी जमानत तक नहीं बचा सकीं। असम की सभी 126 सीटों के लिए 9 अप्रैल को वोट डाले गए थे। इस दौरान असम विधानसभा चुनाव में असम के कामरूप मेट्रो जिले में आने वाली गुवाहाटी सेंट्रल पर 76.07 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। गुवाहाटी सेंट्रल विधानसभा सीट गुवाहाटी लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है। इस नई सीट को 2023 में परिसीमन आयोग की सिफारिश के बाद बनाया गया था।

सुनेत्रा पवार ने राज्यसभा सांसद पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली/ मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र की उप मुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनेत्रा पवार ने राज्यसभा सांसद पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन से मुलाकात की और अपना इस्तीफा सौंप दिया। जबसे उन्होंने महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री का पद संभाला है, तभी से सांसद के रूप में उनके इस्तीफे की चर्चा चल रही थी। हाल ही में हुए उप चुनाव में उन्होंने बारामती से रिकॉर्ड अंतर के साथ विधानसभा चुनाव जीता। विधायक निर्वाचित हो जाने के बाद उन्होंने राज्यसभा के सदस्य पद से इस्तीफा दे दिया है। उल्लेखनीय है कि हेलीकॉप्टर दुर्घटना में राज्य के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को उप मुख्यमंत्री मनोनीत किया गया था। नियमानुसार, किसी भी दो सदन के लिए चुने गए व्यक्ति को 14 दिनों के भीतर किसी एक सदन से इस्तीफा देना अनिवार्य होता है। इसलिए विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित होते ही उन्होंने अपने सांसद पद से इस्तीफा दे दिया। राज्यसभा सदस्य के तौर पर सुनेत्रा पवार का कार्यकाल अभी भी दो साल शेष है।

पृष्ठ एक का शेष

12 को हो सकता है ...

डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआयूडीएफ) ने 2 सीटें हासिल कीं, जबकि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने एक सीट जीतीं हैं। असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने पूरे राज्य में चुनाव प्रक्रिया के सफल, शांतिपूर्ण और पारदर्शी संचालन में उनके अमूल्य योगदान के लिए सभी हितधारकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। सीईओ ने असम के मतदाताओं को उनकी सक्रिय भागीदारी और जिम्मेदारी तथा उत्साह के साथ लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया। चुनावी प्रक्रिया के दौरान उनके अथक समर्पण और व्यावसायिकता के लिए जिला निर्वाचन अधिकारियों, रिटर्निंग अधिकारियों, सहायक रिटर्निंग अधिकारियों, निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों, बूथ स्तरीय अधिकारियों, मतदान कर्मियों, मतगणना अधिकारियों और चुनाव प्रबंधन से जुड़े सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों की विशेष सराहना की गई। सीईओ ने पूरे राज्य में चुनाव के शांतिपूर्ण, सुचारू और सफल संचालन को सुनिश्चित करने में उनके सहयोग और समन्वित प्रयासों के लिए सुरक्षा बलों, असम पुलिस, सीएपीएफ, होम गार्ड्स, कानून प्रवर्तन एजेंसियों, सरकारी विभागों, मीडिया, राजनीतिक दलों, नागरिक समाज समूहों, एसवीईईपी टीमों और सभी हितधारकों को भी धन्यवाद दिया। असम के सीईओ ने कहा है कि चुनाव का सफलतापूर्वक संपन्न होना एक बार फिर लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने के प्रति असम के लोगों और संस्थानों की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

9 को ब्रिगेड ग्राउंड ...

दो दर्जन मंत्री भी शपथ लेंगे। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए दो चरणों में वोटिंग के बाद 4 मई को मतों की गणना हुई। जिसमें सत्ता धारी दल तृणमूल कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ ही राज्य में तृणमूल कांग्रेस के 15 साल लंबे शासन का अंत हो गया है। आंकड़ों की बात करें तो टीएमसी को मात्र 80 सीटें मिली हैं, जबकि पिछले चुनाव में पार्टी ने अकेले 215 सीटों हासिल की थी। जबकि भाजपा जिसे पिछले चुनाव में मात्र 77 सीटें मिली थी, उसने अच्छा प्रदर्शन करते हुए 207 सीटों पर कब्जा जमाया है। तृणमूल कांग्रेस के बंगाली अस्मिता के मुद्दे की प्रभावी रूप से हवा निकालने के लिए भाजपा ने शपथ ग्रहण के लिए रवींद्रनाथ टैगौर की 165वीं जयंती को चुना है। इस दिन 25वां वैशाख है, जो बंगाली कैलेंडर के मुताबिक टैगोर जयंती है। हालांकि अंग्रेजी भाजपा कार्यालय में सीएम पद कैलेंडर के हिसाब से उनकी के दावेदार शुभेदु अधिकारी जयंती 7 मई को होती है। भाजपा के लिए बंगाल की क्या अहमियत है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि नए मुख्यमंत्री के चयन के लिए होने वाली विधायक दल की बैठक के लिए गृह मंत्री अमित शाह को मुख्य केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। पार्टी की प्रचंड जीत के सूत्रधार माने जाने वाले शाह के साथ ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी सह पर्यवेक्षक होंगे। सूत्रों के अनुसार, चुनाव के दौरान पार्टी का चेहरा रहे शुभेंदु अधिकारी नए मुख्यमंत्री हो सकते हैं। विधायक दल की बैठक गुरुवार तक हो सकती है।

टीवीके चीफ विजय ...

को 118 सीटें चाहिए। टीवीके को बहुमत हासिल करने के लिए अभी 10 और विधायकों की जरूरत है। आइएएनएस के अनुसार, सरकार बनाने के लिए टीवीके पीएमके, वामपंथी दलों और वीसीके जैसे छोटे दलों से समर्थन मांग सकती है। कांग्रेस ने पहले ही टीवीके को समर्थन देने के संकेत दे दिए हैं। हालांकि द्रमुक के गठबंधन सहयोगियों एमडीएमके, वीसीके और डीएमडीके ने टीवीके से दूरी बनाए रखने का संकेत दिया है और वे समर्थन देने के इच्छुक नहीं हैं। कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने नई दिल्ली में बताया कि पार्टी नेतृत्व ने प्रदेश इकाई को जनादेश की भावनाओं को ध्यान में रखकर अंतिम निर्णय लेने का निर्देश दिया है।

मुझे बर्खास्त कर...

चुनाव के दौरान व्यापक गड़बड़ी, डराने-धमकाने और हिंसा की घटनाएं हुईं और कई पार्टी कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया गया। ममता बनर्जी के मुताबिक, 1500 से अधिक पार्टी कार्यालयों पर कब्जा कर लिया गया। उन्होंने संकेत दिया कि वह और उनके सहयोगी चुनावी नतीजे के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट भी जा सकते हैं। ममता ने विधायकों से विरोध के प्रतीक के तौर पर विधानसभा के पहले दिन काले कपड़े पहनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए काला दिन है, लेकिन हमें मजबूत रहना है और लड़ाई जारी रखनी है। ममता बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्रीय गृह मंत्री और प्रधानमंत्री चुनाव प्रक्रिया में सीधे तौर पर शामिल थे। साथ ही, उन्होंने बंगाल पुलिस, सीआरपीएफ, मुख्य निर्वाचन अधिकारी और चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाए। बैठक के बाद तृणमूल कांग्रेस ने बयान जारी कर कहा कि पार्टी सत्ता में रहे या नहीं, बंगाल की जनता की सेवा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता बनी रहेगी। पार्टी ने यह भी संकेत दिया कि वह भाजपा के खिलाफ दमन और अत्याचार के मुद्दे पर आक्रामक विपक्ष की भूमिका निभाएगी। बैठक का मुख्य उद्देश्य पार्टी में एकजुटता बनाए रखना, चुनाव में कथित अनियमितताओं पर रणनीति बनाना और आगे की राजनीतिक दिशा तय करना बताया गया।

अपमान करने या ...

सरकार ने राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम संबंधी अधिनियम में संशोधन को मंजूरी दे दी है ताकि वंदे मातरम को भी उसी कानूनी ढांचे के अंतर्गत लाया जा सके जो वर्तमान में राष्ट्रगान को संरक्षण प्रदान करता है। इसके लागू होने के बाद, वंदे मातरम के गायन के दौरान किसी भी प्रकार का अनादर या बाधा डालना संज्ञेय अपराध माना जाएगा। राष्ट्रीय ध्वज, संविधान या राष्ट्रगान के अपमान से जुड़े मामलों में दंड का प्रावधान है, जिसमें कारावास, जुर्माना या दोनों शामिल हैं। प्रस्तावित संशोधन वंदे मातरम पर भी इन प्रावधानों को लागू करेगा, जिसका अर्थ है कि उल्लंघन करने पर भी इसी तरह के कानूनी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। मौजूदा नियमों के तहत, कोई भी व्यक्ति जो जानबूझकर राष्ट्रगान गाने में बाधा डालता है या उसे बाधित करता है, उसे 3 साल तक का कारावास, जुर्माना या दोनों का सामना करना पड़ सकता है। बार-बार अपराध करने वालों को कम से कम एक साल की कैद की सजा हो सकती है। उम्मीद है कि संशोधन लागू होने के बाद ये प्रावधान राष्ट्रगान पर भी लागू होंगे। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम का भारत के स्वतंत्रता आंदोलन और सांस्कृतिक इतिहास में विशेष स्थान है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब देश इस प्रतिष्ठित रचना की 150वीं वर्षगांठ मना रहा है, जिससे मंत्रिमंडल के इस निर्णय का प्रतीकात्मक महत्व और भी बढ़ जाता है। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय ध्वज के अनादरपूर्ण उपयोग को रोकने के लिए 2005 में भी इसी प्रकार के संशोधन किए गए थे। पिछले वर्ष दिसंबर में संसद में हुई एक विशेष चर्चा के दौरान भी वंदे मातरम को समान दर्जा देने की मांग उठाई गई थी, जो इसकी 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित की गई थी। प्रस्तावित संशोधन को जल्द ही संसद में पेश किए जाने की उम्मीद है। यदि यह पारित हो जाता है, तो यह भारत द्वारा अपने राष्ट्रीय प्रतीकों को कानूनी रूप से मान्यता देने और उनकी रक्षा करने के तरीके में एक बड़ा बदलाव लाएगा।

भुवनेश्वर में भीषण ...

इलाके में अफरा-तफरी मच गई। दमकल विभाग की कई गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया और करीब 30 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। पुलिस के अनुसार, आग सुबह करीब 4 बजे लक्ष्मीसागर इलाके स्थित बसंती विला अपार्टमेंट की ग्राउंड फ्लोर पर लगी। देखते ही देखते आग और धुआं पूरे भवन में फैल गया, जिससे कई लोग अंदर फंस गए। हादसे में 70 वर्षीय विश्वजीत बेहरा और 65 वर्षीय सुलता बेहरा की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों आग और धुएं के कारण इमारत में फंस गए थे। वहीं, 10 वर्षीय तेजस्विनी बेहरा गंभीर रूप से झुलस गई थी, जिसे इलाज के लिए कैपिटल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि विश्वजीत बेहरा अपार्टमेंट में सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करते थे। हादसे के समय अधिकांश लोग सो रहे थे, जिसके कारण शुरुआत में स्थिति और भयावह हो गई। दमकल विभाग के अधिकारी रमेश चंद्र सेठी ने बताया कि आग लगने के सही कारणों की जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में ग्राउंड फ्लोर के पार्किंग क्षेत्र के पास लगे इलेक्ट्रिकल पैनल बोर्ड में शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल पुलिस और फायर विभाग की टीमें मामले की जांच में जुटी हैं।

भारत-वियतनाम साथ...

प्राथमिकता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि यह साझेदारी अब और ऊंचे लक्ष्यों की ओर अग्रसर होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत-वियतनाम के बीच व्यापार पिछले दशक में दोगुना होकर 16 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। अब दोनों देशों ने इसे 2030 तक 25 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य तय किया है। दवाओं, कृषि, मत्स्य और पशु उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कई समझौतों पर सहमति बनी है। बहुत जल्द, वियतनाम भारत के अंगूर और अनार का और हम वियतनाम के डूरियन और पोमेलो का स्वाद लेंगे। दोनों देशों ने वित्तीय सहयोग बढ़ाने के तहत भारत के यूपीआई और वियतनाम के फास्ट पेमेंट सिस्टम को जोड़ने पर सहमति जताई। साथ ही एयर कनेक्टिविटी, स्टेट-टू-स्टेट और सिटी-टू- सिटी सहयोग को भी बढ़ाया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि वियतनाम भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी और विजन महासागर का एक मुख्य स्तंभ है। दोनों देशों ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, स्थिरता और नियम-आधारित व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए रक्षा और सुरक्षा सहयोग मजबूत करने पर जोर दिया। वियतनाम के सहयोग से भारत, आसियान के साथ अपने संबंधों को भी और व्यापक बनाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और वियतनाम के बीच गहरे सभ्यतागत और सांस्कृतिक संबंध हैं। चम्पा सभ्यता के मंदिरों के संरक्षण और प्राचीन पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण जैसे कदम इस विरासत को आगे बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करने और आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े होने के लिए वियतनाम का आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भारत और वियतनाम तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाएं हैं और नई रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से दोनों देश एक-दूसरे के विकास में सहायक बनेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने अंत में बुद्ध की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि एक-दूसरे के विकास में सहयोग करना ही दोनों देशों की साझा प्रगति का मार्ग है।

बिहार में आज कैबिनेट...

अमित शाह भी शामिल होंगे। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा और जेडीयू के बीच 15-15 का फॉर्मूला लागू हो सकता है। इसके तहत भाजपा के 13 और जेडीयू के 12 मंत्री शामिल हो सकते हैं। चिराग पासवान की पार्टी लोजपा रामविलास, जीतन राम मांझी की पार्टी हम और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी रालोमो को भी कैबिनेट में जगह मिल सकती है। दिल्ली रवाना होने से पहले सीएम सम्राट ने नीतीश कुमार से भी मुलाकात की थी। पटना के गांधी मैदान में होने वाले कैबिनेट विस्तार को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पूरे इलाके को 4 जोन में बांटा गया है। 3000 से अधिक पुलिस बल तैनाती की जाएगी। इसके अलावे स्पेशल ब्रांच और सादा लिबास में पुलिस मौजूद रहेंगे। केंद्रीय एजेंसियां भी अपने स्तर से संवेदनशील इलाकों में निगरानी करती रहेंगी। मेटल डिटेक्टर सहित कई तरह के आधुनिक उपकरण के जरिए गांधी मैदान में स्कैनिंग की सुविधा की गई है। डॉग स्क्वायड की टीमें भी तैनाती रहेंगी। सम्राट चौधरी ने 15 अप्रैल को बिहार के नए सीएम के रूप में शपथ ली थी। वह बिहार के 24वें मुख्यमंत्री बने। उनके साथ दो डिप्टी सीएम विजेंद्र यादव और विजय चौधरी ने भी शपथ ली थी। सीएम बनते ही सम्राट चौधरी ने कई मिथक को भी तोड़ दिया। वह बिहार के दूसरे ऐसे नेता हैं, जो पहले डिप्टी सीएम रहे और उसके बाद सीएम बने। बिहार में कर्पूरी ठाकुर अब तक एकमात्र ऐसे नेता रहे हैं, जो पहले डिप्टी सीएम रहे और बाद में मुख्यमंत्री बने थे। सम्राट चौधरी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के साथ की थी। हालांकि, बाद में जनता दल यूनाइटेड में शामिल हो गए। 2014 में जब सीएम नीतीश कुमार ने अपनी जगह पर जीतन राम मांझी को मुख्यमंत्री बनाने का निर्णय लिया था, तब सम्राट चौधरी जीतन राम मांझी की सरकार में मंत्री भी बने। जनता दल यूनाइटेड छोड़ने के बाद वह भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए थे।

एससी/एसटी वोट बैंक ...

लोकतांत्रिक गठबंधन ने 19 सीटें जीती हैं, जिनमें बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट और अगप द्वारा जीती गई सीटें भी शामिल हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि ये परिणाम भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की ओर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के मतदाताओं के स्पष्ट एकीकरण को दर्शाते हैं, जिससे आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र सत्ताधारी गठबंधन के लिए चुनावी आधारशिला बन गए हैं। उन्होंने कहा कि परिसीमन ने संरचनात्मक भूमिका निभाई है, जिससे स्वदेशी और आदिवासी आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों का भार 16 से बढ़कर 19 हो गया है और अनुसूचित जाति आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों का भार 8 से बढ़कर 9 हो गया है। ऊपरी असम और पहाड़ी क्षेत्रों में भाजपा के विस्तार और बीपीएफ के साथ गठबंधन ने अनुसूचित जनजाति (एसटी) सीटों पर उसकी मजबूत पकड़ सुनिश्चित की। पश्चिम बंगाल में जहां भाजपा ने 207 सीटें जीतकर इतिहास रचा, आरक्षित सीटों के नतीजों ने *एक निर्णायक राजनीतिक पुनर्गठन* दिखाया। पश्चिम बंगाल की 68 अनुसूचित जाति (एससी) सीटों में से भाजपा की 51 सीटों पर जीत और तृणमूल कांग्रेस को केवल 17 सीटें मिलने से दलितों के समर्थन में स्पष्ट मजबूती आई। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि अनुसूचित जनजाति (एसटी) सीटों पर यह बदलाव और भी तीव्र था और भाजपा की सभी सीटों पर जीत उत्तर बंगाल और जंगलमहल जैसे आदिवासी क्षेत्रों में एकसमान जनादेश को दर्शाती है। कुल मिलाकर, भाजपा ने 84 अनुसूचित जाति/एसटी सीटों में से 67 सीटें हासिल कीं, टीएमसी को 17 सीटों पर सिमटने और अन्य पार्टियों को पूरी तरह से सफाया करने में सफल रही। यह उन क्षेत्रों में भाजपा का जबरदस्त दबदबा है जिन्हें कभी खंडित और प्रतिस्पर्धी माना जाता था। भाजपा ने न केवल अपना चुनावी आधार बढ़ाया है, बल्कि कमजोर वर्गों के बीच अपनी स्थिति भी मजबूत की है। भाजपा ने मतुआ समुदाय ने भाजपा को अपना मजबूत समर्थन जारी रखा है, जिससे पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में अनुसूचित जाति बहुल सीटों पर पार्टी के प्रदर्शन में सुधार हुआ है। तमिलनाडु में एनडीए घटक एआईडीएमके ने 46 अनुसूचित जाति आरक्षित सीटों में से 9 और दो अनुसूचित जनजाति आरक्षित सीटों में से 1 पर जीत हासिल की। पुडुचेरी में एनडीए घटक अखिल भारतीय एनआर कांग्रेस ने पांच अनुसूचित जाति आरक्षित सीटों में से दो पर जीत दर्ज की। भाजपा ने असम और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में इतिहास रच दिया। असम में भाजपा ने पहली बार अपने दम पर बहुमत का आंकड़ा पार किया और सत्तारूढ़ एनडीए ने 126 सदस्यीय विधानसभा में 100 सीटों का आंकड़ा पार कर लिया। पूर्वोत्तर राज्य में एनडीए की यह लगातार तीसरी जीत है।

विज्ञान और स्वास्थ्य ...

बढ़ाने के लिए जापान के कैबिनेट ऑफिस और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के बीच लेटर ऑफ इंटेंट पर भी हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 2025 में जापान यात्रा के बाद भारत-जापान विज्ञान एवं तकनीक साझेदारी एक नए चरण में प्रवेश कर चुकी है। उन्होंने कहा कि जापान के पास उन्नत तकनीक है, जबकि भारत के पास युवा और कुशल मानव संसाधन की बड़ी ताकत है। दोनों मिलकर नई तकनीकों में तेजी से नवाचार कर सकते हैं। जापान की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति मंत्री ओनोडा किमी ने भारत की तेज आर्थिक वृद्धि और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के व्यापक इस्तेमाल की सराहना की। उन्होंने भारतीय युवाओं में नवाचार और असफलताओं से सीखने की क्षमता को भी खास बताया। इस मौके पर क्वांटम और हेल्थ सेक्टर पर फोकस बैठक में नेशनल क्वांटम मिशन, क्वांटम कंप्यूटिंग, सुरक्षित संचार और हेल्थ रिसर्च जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। साथ ही रिसर्च, इंडस्ट्री और स्टार्टअप्स के बीच साझेदारी को मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। दोनों देशों ने रिसर्च सहयोग, संयुक्त परियोजनाओं, और वैज्ञानिकों के आदान-प्रदान को बढ़ाने पर सहमति जताई। इसका मकसद नई तकनीकों को तेजी से विकसित कर उन्हें आम लोगों तक पहुंचाना है।

एमबीबीएस में 22वां ...

और ओटोरिनोलैरिंगोलॉजी (Otorhino-laryngology) जैसे मुख्य विषयों में ऑनर्स हासिल किया, जो मेडिकल साइंस के मुख्य और विशेष, दोनों क्षेत्रों में उनकी मजबूत अकादमिक स्थिति को दर्शाता है। वे असम सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक और असम पुलिस सेवा के अधिकारी, मानवेंद्र देव राय के बेटे हैं। उनकी इस उपलब्धि को एक महत्वपूर्ण अकादमिक मील का पत्थर माना जा रहा है, जिसने उनके परिवार के साथ-साथ उनके गृह जिले को भी गौरवान्वित किया है।

राजग की जीत असम और देश को चाहने वाले जनता जनार्दन की जीत : दिलीप सैकिया

गुवाहाटी (हि.स.)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगी दल असम गण परिषद (अगप) के आमंत्रण पर बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दिलीप सैकिया अगप के आमबारी स्थित प्रदेश कार्यालय पहुंचे। यहां अगप के प्रदेश अध्यक्ष अतुल बोरा, कार्यकारी अध्यक्ष केशव महंत सहित शीर्ष नेतृत्व ने उनका स्वागत किया। बैठक में भाजपा के संगठन महासचिव जीआर रविंद्र राजू और नलबाड़ी से नव-निर्वाचित विधायक जयंत मल्ल बरुवा भी उपस्थित रहे। दोनों दलों के नेताओं ने हालिया विधानसभा चुनाव में मिली ऐतिहासिक जीत और उपलब्धियों को लेकर संयुक्त समीक्षा बैठक की। इस दौरान सैकिया ने अगप के नव-निर्वाचित विधायक दल के नेता अतुल बोरा, उप-नेता केशव महंत और सभी विधायकों को बधाई दी। बैठक को संबोधित करते हुए दिलीप सैकिया ने उम्मीद जताई कि आने वाले पांच वर्षों में अगप के विधायक असम के सामाजिक और समग्र विकास के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि 126 सीटों में से 102 सीटों पर राजग गठबंधन की यह विजय असम के जनता जनार्दन की विजय है, यह विजय असम से प्रेम करने और देश से प्रेम करने वाले प्रत्येक असमवासी की विजय है, प्रत्येक असम के वास्तविक मूलनिवासी की विजय है। दिलीप सैकिया ने असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व की सराहना करते हुए उन्हें तीसरे कार्यकाल के लिए चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि शर्मा के नेतृत्व में राज्य में विकास और सुशासन को नई दिशा मिलेगी। भाजपा-अगप संबंधों पर बोलते हुए दिलीप सैकिया ने कहा कि 2001 से दोनों दलों के बीच मजबूत और मधुर संबंध रहे हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि समय-समय पर मतभेद हो सकते हैं, लेकिन आपसी विश्वास बना रहा है। सैकिया ने इस गठबंधन को *रामधेनु जैसी मित्रता* बताते हुए इसे असम के उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक बताया।

अगप विधायक दल के नेता चुने गए अतुल बोरा, केशव महंत उप-नेता

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद असम गण परिषद (अगप) ने पार्टी के वरिष्ठ नेता अतुल बोरा को विधायक दल का नेता चुना लिया है। उनके साथ ही, केशव महंत को विधायक दल का उप-नेता चुना गया है। उल्लेखनीय है कि, ये दोनों नेता बीते 2021 में हुए विधानसभा चुनाव में भी अगप के विधायक दल का नेता एवं उप नेता चुने गए थे। एक बार फिर से दोनों नेताओं को पार्टी ने इस महत्वपूर्ण पद के लिए चुन लिया है। ये नियुक्तियां सोमवार को अगप विधायकों की एक बैठक के दौरान तय की गईं, जो विधानसभा चुनावों के बाद पार्टी के भीतर आंतरिक एकीकरण का संकेत है। पार्टी ने विधायक समूह के भीतर प्रमुख संगठनात्मक भूमिकाओं की भी घोषणा की। डॉ. तपन दास को विधायक दल का सचिव नियुक्त किया गया है, जबकि धर्मेश्वर रॉय मुख्य सचेतक (चीफ ह्वीप) के रूप में कार्य करेंगे। विधायक दल के नेतृत्व का गठन अगप के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, क्योंकि पार्टी असम विधानसभा में अपनी विधायी रणनीति को समन्वित करने और गठबंधन सहयोगियों के साथ तालमेल बिठाने की तैयारी कर रही है। उल्लेखनीय है कि, असम गण परिषद 2026 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के हिस्से के रूप में उतरी थी। गठबंधन के तहत अगप को 25 सीटें मिली थीं। हालांकि, एक सीट शिवसागर पर अगप ने मित्रवत चुनाव लड़ा था, यानि इस पर अगप और भाजपा दोनों पार्टियों ने अपने उम्मीदवार उतारे थे। अगप ने इस बार कुल 10 सीटों पर जीत हासिल की है। माना जा रहा है कि मंत्रिमंडल में अगप को दो सीटें मिल सकती हैं।

कांग्रेस की रणनीति से विपक्ष बर्बाद : अखिल गोगोई

गुवाहाटी (हि.स.)। राइजर दल के अध्यक्ष अखिल गोगोई ने विधानसभा चुनाव परिणाम आने के 48 घंटे के भीतर कांग्रेस नेतृत्व पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की रणनीति के कारण राज्य में विपक्ष कमजोर हुआ है और जनता के बीच उसकी पकड़ घट गई है। मीडिया से बातचीत के दौरान गोगोई ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा सीधे जनता के बीच जाकर संवाद करते हैं, जबकि विपक्षी नेता जमीनी स्तर पर सक्रिय नहीं हैं। उन्होंने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका *अभिजात्य शैली* का राजनीतिक व्यवहार उन्हें आम लोगों से दूर कर रहा है। गोगोई ने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान संबंधों के कारण गौरव गोगोई मानसिक रूप से प्रभावित हुए हैं, जिससे उनकी राजनीतिक प्रभावशीलता कम हुई है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि चुनाव में *तीन गोगोई* केवल नाम के ही साबित हुए और वास्तविक असर नहीं छोड़ सके। राइजर दल अध्यक्ष ने कहा कि यदि गौरव गोगोई इसी *साहबी शैली* में राजनीति करते रहे, तो वे कभी भी भाजपा को चुनौती नहीं दे पाएंगे। चुनाव परिणाम के तुरंत बाद आए इस बयान से असम में विपक्षी खेमे के भीतर बढ़ते मतभेद साफ तौर पर नजर आ रहे हैं।

पूसीरे ने चाय कंटेनर के परिवहन को बढ़ावा देने के लिए स्टेकधारकों के साथ की बैठक

गुवाहाटी (हि.स.)। रेलवे द्वारा कंटेनर के जरिए चाय परिवहन को बढ़ावा देने के लिए, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने बुधवार को अपने जोनल मुख्यालय, मालीगांव में चाय उद्योग के प्रमुख स्टेकधारकों, जिसमें लॉजिस्टिक्स ऑपरेटर, चाय संगठनों, निर्यातक और उत्पादक शामिल थे, के साथ एक बैठक आयोजित की। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि असम प्रति वर्ष लगभग 160 मिलियन किलोग्राम निर्यात-उन्मुख चाय का उत्पादन करता है। कुशल लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा देने संबंधी बढ़ती मांग को देखते हुए, इस पहल का उद्देश्य रेल-आधारित कंटेनर सेवाओं के माध्यम से चाय की खेप के परिवहन को बढ़ावा देना है। इन सेवाओं के कई फायदे हैं, जैसे कि लागत-प्रभावशीलता, विश्वसनीयता, तेज परिवहन, हैंडलिंग के दौरान होने वाले नुकसान को कम करना और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन। पूर्वोत्तर क्षेत्र और आस-पास के इलाकों में चाय उद्योग की जरूरतों को पूरा करने, माल परिवहन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और ग्राहक-केंद्रित लॉजिस्टिक्स समाधान विकसित करने की दिशा में पूसीरे निरंतर काम कर रहा है। बैठक के दौरान, रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों, चाय उद्योग के प्रतिनिधियों, लॉजिस्टिक्स ऑपरेटरों और अन्य स्टेकधारकों ने चाय परिवहन के लिए रेल कनेक्टिविटी, परिचालन समन्वय और कंटेनर हैंडलिंग की सुविधाओं को बेहतर बनाने के विभिन्न उपायों पर चर्चा की। बातचीत का मुख्य केंद्र उन रणनीतियों पर भी रहा, जिनके जरिए कुशल, निर्बाध और ग्राहक-अनुकूल परिवहन सेवाओं के माध्यम से रेलवे द्वारा चाय के अधिकाधिक परिवहन को आकर्षित किया जा सके। पूसीरे ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान माल परिवहन कार्यों में सराहनीय प्रदर्शन किया है। इसने कुल 11.4 मिलियन टन (एमटी) माल की लोडिंग कर पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 6त्न की वृद्धि दर्ज की। सामग्रियों की हैंडलिंग में भी काफी सुधार देखा गया, जहां वित्त वर्ष 2024-25 में अनलोडिंग 12,346 रेक से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 13,034 रेक हो गई, यानी 688 रेक की वृद्धि हुई। इस क्षेत्र में माल लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर को और अधिक मजबूत करने के लिए, पूसीरे आधुनिक माल टर्मिनल और मल्टीमॉडल कार्गो हैंडलिंग सुविधाओं का विकास और संचालन भी कर रहा है। मिजोरम के सायरंग और नागालैंड के मॉलवॉम में निर्मित नए टर्मिनलों के अलावा अन्य टर्मिनलों से, पूर्वोत्तर राज्यों में सामग्रियों की पहुंच और कनेक्टिविटी में काफी सुधार होने की उम्मीद है। इसके अलावा, पूरे जोन में गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों का विकास कुशल कार्गो एकत्रीकरण, कंटेनर हैंडलिंग और फर्स्ट-माइल-लास्ट-माइल कनेक्टिविटी की क्षमता को बढ़ा रहा है, जिससे चाय उत्पादकों और निर्यातकों सहित विभिन्न उद्योगों के लिए रेल परिवहन को अधिक से अधिक अपनाने के बेहतर अवसर पैदा हो रहे हैं। यह पहल पूर्वोत्तर क्षेत्र में माल परिवहन के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने, सतत परिवहन को बढ़ावा देने और आर्थिक तथा औद्योगिक विकास को सहयोग देने के लिए ग्राहक-केंद्रित लॉजिस्टिक्स समाधान उपलब्ध कराने के प्रति एनएफआर की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

उल्फा (स्वा) केडर गिरफ्तार

शिवसागर (हि.स.)। शिवसागर जिले के डिमौ पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर प्रतिबंधित संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट आफ असम (उल्फा) स्वाधीन (स्वा) के एक कैडर को गिरफ्तार किया है। कैडर के पास से विस्फोटक एवं जिंदा कारतूस आदि बरामद किया गया है। डिमौ पुलिस ने बुधवार को बताया है कि डिमौ पुलिस द्वारा पालेंगी धान्य पथार इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान उल्फा (स्वा) कैडर को गिरफ्तार किया गया हे। कैडर की पहचान वीरेन चेतिया उर्फ रन्टू असम के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपित के पास से पुलिस ने 7 ग्रेनेड, 13 राउंड जिंता कारतूस के साथ नगद धन के अलावा अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आरोपित से सघन पूछताछ कर रही है। उधर दक्षिण सलमारा मानकाचार जिले के फकीरगंज पुलिस ने ड्रग्स विरोधी अभियान के दौरान एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों से बुधवार को मिली जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर बीती रात चलाए गए अभियान के दौरान फकीरगंज थाना क्षेत्र से ड्रग्स की तस्करी मामले में शामिल दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

असम में घटी दागी विधायकों की संख्या, बढ़ गए करोड़पति माननीय

गुवाहाटी। असम के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जीत की हैट्रिक लगाई है और लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। कुल 126 विधायकों में ज्यादातर सत्ताधारी नेशनल डेमोक्रैटिक अलायंस (एनडीए) के हैं और विपक्षी गठबंधन बेहद कमजोर स्थिति में है। इस बीच असोसिएशन फॉर डेमोक्रैटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट असम के लिए राहत की खबर लेकर आई है। एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक, असम में दागी यानी आपराधिक छवि वाले विधायकों की संख्या कम हुई है। वहीं, करोड़पति विधायकों की संख्या में इस बार भी भी इजाफा हुआ है और राज्य के 85 प्रतिशत विधायक करोड़पति हैं। 4 मई को आए नतीजों के मुताबिक, भाजपा ने सबसे ज्यादा 82 सीटें जीती हैं और कांग्रेस 19 सीटें जीतकर दूसरे नंबर पर है। सत्ताधारी गठबंधन में शामिल बोडोलैंड पीपल्स फ्रंट और असम गण परिषद को 10-10 सीटों पर जीत मिली है। वहीं, ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रैटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) और रायजोर दल को दो-दो सीटों पर जीत मिली है। तृणमूल कांग्रेस के भी एक उम्मीदवार को असम में जीत मिली है। एडीआर ने सभी जीते विधायकों के चुनावी हलफनामों के विश्लेषण से यह पाया है कि आपराधिक मुकदमे वाले विधायकों की संख्या में इस बार कमी आई है। 2021 में 28 विधायक ऐसे थे जिनके खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज थे यानी कुल 22 प्रतिशत विधायक। इस बार आपराधिक मुकदमे वाले विधायकों की संख्या 19 है यानी कुल 15 प्रतिशत विधायक ही ऐसे हैं जिनकी आपराधिक छवि है। 3 विधायक ऐसे भी हैं जिनके खिलाफ हत्या का मुकदमा चल रहा है और दो विधायकों के खिलाफ महिलाओं के यौन उत्पीड़न का मुकदमा चल रहा है। भाजपा के 82 में से 7 और कांग्रेस के 19 में से 9 विधायक ऐसे हैं जिनके खिलाफ आपराधिक मुकदमे चल रहे हैं। भाजपा और कांग्रेस के सात-सात विधायकों के खिलाफ गंभीर अपराध के मुकदमे चल रहे हैं। पिछले चार चुनावों को देखें तो असम में करोड़पति विधायकों की संख्या में दोगुने से ज्यादा का इजाफा हुआ है। 20211 में सिर्फ 47 विधायक करोड़पति थे। 2016 में यह संख्या 72 हुई, 2021 में 85 हुई और इस बार 126 में से 107 विधायक करोड़पति हैं। भाजपा के 82 में से 74, कांग्रेस के 19 में से 14, बीपीएफ के 8, असम गण परिषद के 8 और बाकी तीनों पार्टियों के सभी विधायक करोड़पति हैं। कुल 25 विधायक ऐसे हैं जिनकी संपत्ति 10 करोड़ से ज्यादा है और सिर्फ 4 विधायक ऐसे हैं जिनकी संपत्ति 20 लाख रुपये से है। असमके सबसे अमीर विधायक एआईयूडीएफ के बदरुद्दीन अजमल हैं जिन्होंने 226 करोड़ की संपत्ति घोषित की है। हिमंत विश्व शर्मा 35 करोड़ की संपत्ति के साथ तीसरे नंबर पर हैं। सबसे कम संपत्ति वाले विधायक मिलन दास हैं जिनकी कुल संपत्ति 20 हजार रुपये है। असम के विधायकों की शिक्षा की बात करें तो 89 विधायक ऐसे हैं जिन्होंने ग्रेजुएशन या उससे ज्यादा पढ़ाई की है। वहीं, 36 विधायक ऐसे हैं जिन्होंने 10वीं से 12वीं तक की पढ़ाई की है। असम में इस बार सिर्फ 7 महिला विधायक ही जीती हैं। 2021 में महिला विधायकों की संख्या 6 थी। कुल 63 विधायक ऐसे हैं जो दोबारा चुनाव जीते हैं। इसमें भाजपा के 45, कांग्रेस के 9, असम गण परिषद के 4 और बोडो पीपल्स फ्रंट के 2 विधायक हैं।

लखीपुर में ड्रग्स तस्करों की गोलीबारी में पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल

कछार (हि.स.)। कछार जिलांतर्गत लखीपुर इलाके में बीती रात मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे एक अभियान के दौरान, संदिग्ध ड्रग्स तस्करों की गोलीबारी में एक पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना जिरीघाट के डिगलांग इलाके में बीती देर रात तब हुई जब पुलिस की एक टीम ने ड्रग्स तस्करों को पकड़ने के लिए मिली विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर एक अभियान शुरू किया था। बताया जा रहा है कि इस अभियान के दौरान, पुलिस टीम पर तस्करों की ओर से अचानक गोलीबारी शुरू हो गई। घायल पुलिसकर्मी की पहचान शरीफ हुसैन काजी के रूप में हुई है, जिन्हें पेट समेत शरीर के कई हिस्सों में गोलियां लगी हैं। उन्हें तुरंत अलीपुर बुरोज मेमोरियल क्रिश्चियन अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हालत बिगड़ने पर बाद में सिलचर मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल के सूत्रों ने उनकी हालत को गंभीर बताया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह अभियान लखीपुर के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) के नेतृत्व में चलाया गया था।

रंगिया में *बसंत उत्सव 2026* का भव्य आयोजन

रंगिया (विभास)। रंगिया आंचलिक छात्र संस्था के तत्वावधान और रंगिया महाविद्यालय आसू इकाई के सहयोग से बुधवार, 6 मई को रंगिया महाविद्यालय खेल मैदान प्रांगण में द्वितीय *बसंत उत्सव 2026* का हर्षोल्लासपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे अखिल असम छात्र संस्था के ध्वजारोहण के साथ हुई, जिसे रंगिया महाविद्यालय आसू इकाई के प्रभारी अध्यक्ष भार्गव महंत ने संपन्न किया। इसके बाद उत्सव का आधिकारिक ध्वज उत्सव समिति के अध्यक्ष दीपज्योति नाथ ने फहराया। शहीद तर्पण कार्यक्रम रंगिया महाविद्यालय आसू गुट के महासचिव आकीबुल अहमद और राकेश दास द्वारा किया गया, जिसमें वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके साथ ही महान गायक डॉ. भूपेन हजारिका और जुबीन गर्ग की प्रतिमाओं के समक्ष दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर रंगिया महाविद्यालय की मुख्य अध्यापिका श्रीमती राणु चौधरी, पूर्व कर्मचारी रोमनी राजबंशी, मुख्य तत्त्वावधायक डॉ. बिमल दास, असमिया विभाग की डॉ. बिजुली चक्रवर्ती, भौतिकी विभाग के डॉ. महेंद्र कलिता और ग्रंथगारिका मंजुश्री देवी उपस्थित रहीं। सुबह 11 बजे 'मुकोली बीहू' क्षेत्र का उद्घाटन रंगिया महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ब्रजेंद्र सैकिया ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उप-प्राचार्य डॉ. हेमेंद्र शर्मा और अखिल असम छात्र संस्था के कार्यालय संपादक भवज्योति डेका मौजूद रहे। दोपहर 12 बजे मुकोली बीहू का विधिवत उद्घाटन अखिल कामरूप जिला छात्र संस्था के महासचिव तौफीकुर रहमान ने किया। कार्यक्रम के दौरान रंगिया आंचलिक छात्र संघ, असम उन्नति सभा और असम सेना की रंगिया क्षेत्रीय समिति ने इस वर्ष का *कलाकार प्रेरणा पुरस्कार* रंगिया के नाट्य जगत के दिग्गज नरेन्द्र शर्मा को प्रदान किया। इसी तरह *बरोलिया उत्कृष्ट सम्मान* चिकित्सक डॉ. उमाशंकर शर्मा को दिया गया। दोपहर 2 बजे से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू हुआ। इस अवसर पर आमंत्रित गायक रहीम राज ने अपने गीतों से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस सफल आयोजन में रंगिया आंचलिक छात्र संस्था के अध्यक्ष पिंटू डेका, प्रभारी महासचिव बिदुल कुमार नाथ, तथा रंगिया महाविद्यालय आसू गुट के अध्यक्ष भार्गव महंतों, सचिव द्वय आकिबुल अहमद, राकेश दास सहित उत्सव समिति के अध्यक्ष दीप ज्योति नाथ सचिवद्वय भार्गव कलिता और रब्बिल हुसैन का विशेष योगदान रहा।

संपादकीय

वैचारिक जनादेश भी

बंगाल और तमिलनाडु के जनादेश 'मील-पत्थर' हैं। बंगाल जीत कर आरएसएस का चिर-संचित एजेंडा भी पूरा हो गया है, तो तमिलों ने 64 साल पुरानी द्रविड़ राजनीति को खारिज कर नई विचारधारा, नए एजेंडे को चुना है। आरएसएस का पुराना एजेंडा था कि जम्मू-कश्मीर, असम, पूर्वोत्तर और बंगाल को जीत कर राष्ट्रवाद की सत्ता स्थापित करनी है। 'जनसंघ' की स्थापना के बाद डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर पर फोकस किया और 'एक राष्ट्र, एक विधान, एक निशान, एक प्रधान' की विचारधारा पर आंदोलन खड़ा किया। उन्होंने शहादत भी दी। बहरहाल वह दौर घोर अतीत और एक इतिहास हो चुका है, लेकिन आज भाजपा ने बंगाल का ऐतिहासिक, प्रचंड, अभूतपूर्व जनादेश हासिल कर संघ की वैचारिक सोच को संपूर्णता दी है। दरअसल बंगाल, असम, पूर्वोत्तर भाजपा की वैचारिक सफलताओं के प्रतीक हैं। जम्मू-कश्मीर में भी उपराज्यपाल के जरिए भाजपा ही सत्ता में है, क्योंकि वहां उपराज्यपाल ही 'प्रशासनिक प्रमुख' होते हैं। मुख्यमंत्री निर्वाचित हैं, लेकिन वह 'प्रतीकात्मक' हैं। बहरहाल अब देश के 'अंग, बंग, कलिंग' पर संघ परिवार का राजनीतिक वर्चस्व है। भाजपा-एनडीए देश के 21-22 राज्यों और करीब 70 फीसदी भू-भाग पर काबिज हैं। यह सफलता और विस्तार पुरानी कांग्रेस के दौर की पुनरावृत्ति भी लगती है। अब भाजपा के सामने एक देश, एक चुनाव, समान नागरिक संहिता का राष्ट्रीयकरण, बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान और उन्हें देश के बाहर खदेड़ना, देश के नए परिसीमन और अंततः नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने के एजेंडीय काम शेष हैं। यकीनन ये राजनीतिक चुनौतियां भी हैं। तमिलनाडु का जनादेश भी वैचारिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। 1960 के दशक में वहां द्रविड़ राजनीति का आंदोलन ऐसा खड़ा किया गया कि 1967 के बाद कांग्रेस तमिलनाडु की सत्ता में कभी लौट ही नहीं पाई। पेरियार (ईवी रामासामी नायकर) दक्षिण भारत के एक महान समाज सुधारक, तर्कवादी, नास्तिक, द्रविड़ आंदोलन के जनक थे। उन्होंने तमिलनाडु में जाति-व्यवस्था, ब्राह्मणवाद, अंधविश्वास और महिला उत्पीड़न के खिलाफ 'आत्म-सम्मान आंदोलन' चलाया। उनके सामाजिक न्याय योगदान के कारण उन्हें 'पेरियार' (महान व्यक्ति) कहा जाता है। द्रविड़ राजनीति का विभाजन हुआ और द्रमुक, अन्नाद्रमुक नामक राजनीतिक दल स्थापित हुए, लेकिन उनकी बुनियादी सोच एक ही थी। उन्हें वैकल्पिक तौर पर जनादेश भी मिलते रहे। मौजूदा संदर्भों तक द्रविड़ राजनीति देश में उत्तर बनाम दक्षिण, हिंदी-विरोधी, सनातन-विरोधी की पर्याय ही बनी रही। निवर्तमान मुख्यमंत्री स्टालिन के पुत्र उदय स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना 'मच्छर, मलेरिया, डेंगू और कोरोना' से की और उनके समूल नाश के आह्वान किए। अब विधानसभा चुनाव में तमिल जनता ने छह दशकों के लंबे कालखंड के बाद द्रविड़ राजनीति को खारिज किया है। यह बहुत बड़ा वैचारिक बदलाव है। हालांकि सुपरस्टार विजय की दो साल पुरानी पार्टी 'टीवीके' को बहुमती जनादेश नहीं मिला है, लेकिन वह सबसे बड़ी पार्टी और बहुमत के बेहद करीब है, लिहाजा सत्ता का आमंत्रण उन्हें ही मिलेगा। विजय ने व्यापक संदर्भों में भ्रष्टाचार के खिलाफ और शिक्षा-रोजगार जैसे क्षेत्रों में सुधारों का एजेंडा पेश किया है। बंगाल, तमिलनाडु, असम के संदर्भ में 'मुफ्तखोरी की रेवडियां' जिस तरह परोसी गई हैं, वे अंततः देशहित में नहीं हैं और देश पर कर्ज का बोझ ही बढ़ाएंगी। प्रधानमंत्री मोदी 'रेवडियों' का सार्वजनिक विरोध करते रहे हैं, लेकिन फिर भी उनकी पार्टी रेवडियों को 'गारंटी' के तौर पर परोसती है। तमिलनाडु पर करीब 10.42 लाख करोड़ रुपए और बंगाल पर 7.90 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। बंगाल में करीब 6688 कंपनियां और फैक्टरियां राज्य छोड़ कर कहीं और चली गई हैं। बंगाल के करीब 7.18 लाख लोग पलायन कर चुके हैं। तमिलनाडु की आर्थिक विकास दर बेहतर है, लेकिन कर्ज कैसे चुकता किया जाएगा? औसत चुनाव में किसानों के कर्ज माफ के आश्वासन दिए जाते हैं।

'जनसंघ' की स्थापना के बाद डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर पर फोकस किया और 'एक राष्ट्र, एक विधान, एक निशान, एक प्रधान' की विचारधारा पर आंदोलन खड़ा किया। उन्होंने शहादत भी दी। बहरहाल वह दौर घोर अतीत और एक इतिहास हो चुका है, लेकिन आज भाजपा ने बंगाल का ऐतिहासिक, प्रचंड, अभूतपूर्व जनादेश हासिल कर संघ की वैचारिक सोच को संपूर्णता दी है। दरअसल बंगाल, असम, पूर्वोत्तर भाजपा की वैचारिक सफलताओं के प्रतीक हैं। जम्मू-कश्मीर में भी उपराज्यपाल के जरिए भाजपा ही सत्ता में है, क्योंकि वहां उपराज्यपाल ही 'प्रशासनिक प्रमुख' होते हैं। मुख्यमंत्री निर्वाचित हैं, लेकिन वह 'प्रतीकात्मक' हैं। बहरहाल अब देश के 'अंग, बंग, कलिंग' पर संघ परिवार का राजनीतिक वर्चस्व है। भाजपा-एनडीए देश के 21-22 राज्यों और करीब 70 फीसदी भू-भाग पर काबिज हैं। यह सफलता और विस्तार पुरानी कांग्रेस के दौर की पुनरावृत्ति भी लगती है। अब भाजपा के सामने एक देश, एक चुनाव, समान नागरिक संहिता का राष्ट्रीयकरण, बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान और उन्हें देश के बाहर खदेड़ना, देश के नए परिसीमन और अंततः नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने के एजेंडीय काम शेष है। यकीनन ये राजनीतिक चुनौतियां भी हैं।

निश्चिततौर पर इस शानदार जीत के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह मुख्य भूमिका में हैं

बंगाल विजयः संघ की जमीनी साधना शांति से शक्ति तक

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल में लगातार चल रही हिन्दू विरोधी गतिविधियों एवं मुसलमानों के बढ़ते वर्चस्व को देखते हुए संघ ने इस चुनाव के मद्देनजर बहुत पहले से ही कमर कस ली थी, संघ ने पश्चिम बंगाल में 1.75 लाख से अधिक छोटी-बड़ी बैठकें आयोजित की। पिछले 15 सालों में संघ ने पश्चिम बंगाल में तेजी से विस्तार किया है और एक मजबूत 'हिंदू वोट बैंक' तैयार किया है। पश्चिम बंगाल में पिछले 15 वर्षों में संघ की शाखाओं की संख्या 900 से बढ़कर 5,000 तक पहुंच गई है। संघ के स्वयंसेवकों ने पश्चिम बंगाल में घर-घर जाकर 'बंग बचाओ' इस थीम पर 'मतदाता जागरूकता अभियान' चलाया। संघ की माइक्रो प्लानिंग ने बंगाल में भाजपा को ऐतिहासिक बढ़त दिलाई और सत्ता परिवर्तन का माध्यम बनी। पश्चिम बंगाल चुनाव भाजपा के लिए एक ऐतिहासिक 'मील का पत्थर' और ऐतिहासिक सफलता साबित हुआ। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि राजनीति केवल बड़े मंचों, विशाल रैलियों और जोरदार नारों से तय नहीं होती।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक, अद्भुत, अविस्मरणीय एवं करिश्माई जीत के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) की बहुत बड़ी भूमिका रही है। निश्चिततौर पर इस शानदार जीत के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह मुख्य भूमिका में हैं। लेकिन बंगाल में ममता बनर्जी की मजबूत चुनौती के सामने भाजपा की जीत के लिए संघ लंबे समय से मेहनत कर रही थी और उसकी यह मेहनत ही जीत का सशक्त माध्यम बनी है। पश्चिम बंगाल में लगातार चल रही हिन्दू विरोधी गतिविधियों एवं मुसलमानों के बढ़ते वर्चस्व को देखते हुए संघ ने इस चुनाव के मद्देनजर बहुत पहले से ही कमर कस ली थी, संघ ने पश्चिम बंगाल में 1.75 लाख से अधिक छोटी-बड़ी बैठकें आयोजित की थीं। पिछले 15 सालों में संघ ने पश्चिम बंगाल में तेजी से विस्तार किया है और एक मजबूत 'हिंदू वोट बैंक' तैयार किया है। पश्चिम बंगाल में पिछले 15 वर्षों में संघ की शाखाओं की संख्या 900 से बढ़कर 5,000 तक पहुंच गई है। संघ के स्वयंसेवकों ने पश्चिम बंगाल में घर-घर जाकर 'बंग बचाओ' इस थीम पर 'मतदाता जागरूकता अभियान' चलाया। संघ की माइक्रो प्लानिंग ने बंगाल में भाजपा को ऐतिहासिक बढ़त दिलाई और सत्ता परिवर्तन का माध्यम बनी। पश्चिम बंगाल चुनाव भाजपा के लिए एक ऐतिहासिक 'मील का पत्थर' और ऐतिहासिक सफलता साबित हुआ। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि राजनीति केवल बड़े मंचों, विशाल रैलियों और जोरदार नारों से तय नहीं होती। कई बार असली लड़ाई उन स्तरों पर लड़ी जाती है, जहां न कैमरे पहुंचते हैं और न ही जमीनी प्रयास सुर्खियां बनती हैं। इस बार के चुनाव में एक ऐसी ही खामोश रणनीति कारगर साबित हुई है। जहां एक ओर ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का आक्रामक चुनाव प्रचार केंद्र में रहा, वहीं दूसरी ओर संघ से जुड़े कार्यकर्ताओं ने अपेक्षाकृत शांत रहकर 'निःशब्द विप्लव' या 'मूक क्रांति' को अंजाम देते हुए जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने पर ध्यान दिया। बंगाल की अस्मिता, विकास और सांस्कृतिक पहचान जैसे मुद्दों को आधार बनाकर जनजागरण अभियान चलाया गया। इस दौरान महिला, युवा, प्रबुद्ध वर्ग, किसान, श्रमिक और अनुसूचित जाति-जनजाति समुदायों तक अलग-अलग तरीकों से पहुंचने की कोशिश की गई। निश्चिततौर पर पश्चिम बंगाल की राजनीति में वर्ष 2026 में जो ऐतिहासिक करवट ली, वह केवल सत्ता परिवर्तन की घटना नहीं है, बल्कि एक गहरे सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तन का संकेत भी है। लंबे समय तक वामपंथी प्रभाव और उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस का वर्चस्व रहा, लेकिन इस बार जनमत ने जिस प्रकार से भाजपा के पक्ष में निर्णायक रूप से झुकाव दिखाया, उसने स्थापित राजनीतिक धारणाओं को चुनौती दी है। इस परिवर्तन के मूल में जो शक्ति को सबसे अधिक महत्वपूर्ण मानी रही है तो वह है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिसने एक अदृश्य लेकिन अत्यंत प्रभावशाली भूमिका निभाई है। यह विजय केवल

चुनावी रणनीतियों का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों से चल रहे संगठनात्मक परिश्रम, वैचारिक विस्तार और समाज के भीतर गहराई तक किए गए संवाद का परिणाम है। पश्चिम बंगाल में संघ का विस्तार किसी तात्कालिक राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं था, बल्कि यह एक दीर्घकालिक सामाजिक दृष्टि का हिस्सा था। पिछले डेढ़ दशक में संघ ने प्रांत में जिस प्रकार अपनी शाखाओं का विस्तार किया और समाज के विभिन्न वर्गों तक अपनी पहुंच बनाई, उसने एक मजबूत वैचारिक आधार तैयार किया। यह कार्य किसी प्रचार की तरह नहीं, बल्कि एक शांत सामाजिक प्रक्रिया एवं क्रांति की तरह हुआ, जिसने धीरे-धीरे जनमानस को प्रभावित किया। यही कारण है कि जब चुनाव का समय आया, तो एक पहले से तैयार मानसिकता भाजपा के पक्ष में खड़ी दिखाई दी। इस पूरे परिदृश्य में सरसंघचालक मोहन भागवत की रणनीतिक दृष्टि को भी विशेष रूप से रेखांकित किया जाना चाहिए। उन्होंने बंगाल को केवल एक राजनीतिक इकाई के रूप में नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक भूमि के रूप में देखा, भारत की अस्मिता के रूप में देखा। जिसकी अपनी विशिष्ट पहचान और परंपराएं हैं। संघ के प्रयासों में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि उसने बंगाल की सांस्कृतिक चेतना को समझने और उससे जुड़ने का प्रयास किया। दुर्गा पूजा, काली पूजा और रामनवमी जैसे पर्वों को सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे एक व्यापक सामाजिक जुड़ाव स्थापित हुआ। इस प्रक्रिया में हिंदुत्व को किसी बाहरी विचारधारा के रूप में नहीं, बल्कि बंगाल की सांस्कृतिक आत्मा के एक स्वाभाविक विस्तार के रूप में प्रस्तुत किया गया। लंबे समय तक यह धारणा बनी रही कि बंगाली अस्मिता और हिंदुत्व परस्पर विरोधी हैं, लेकिन इस चुनाव में यह धारणा काफी हद तक टूटती हुई दिखाई दी। "जय श्री राम" के साथ "जय मां काली" और "जय मां दुर्गा" जैसे नारों का समन्वय केवल राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि एक सांस्कृतिक संदेश था, जिसने यह स्थापित किया कि क्षेत्रीय पहचान और व्यापक सांस्कृतिक विचारधारा के बीच कोई टकराव नहीं है। इस समन्वय ने मतदाताओं के भीतर एक नई प्रकार की आत्मजागरूकता उत्पन्न की, जहां वे केवल विकास या योजनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि अपनी पहचान, सुरक्षा और सांस्कृतिक गौरव के आधार पर भी निर्णय लेने लगे। चुनाव के दौरान जिस प्रकार से 'अस्तित्व' एवं 'अस्मिता' का विमर्श उभरा, उसने इस पूरे राजनीतिक परिदृश्य को एक नई दिशा दी। संघ और भाजपा ने इसे केवल एक चुनावी मुकाबले के रूप में प्रस्तुत नहीं किया, बल्कि एक वैचारिक संघर्ष के रूप में स्थापित किया, जिसमें पहचान और सम्मान के प्रश्न प्रमुख हो गए। ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस पर लगाए गए तुष्टिकरण के आरोपों ने इस विमर्श को और तीव्र किया, जिससे मतदाताओं के बीच एक स्पष्ट ध्रुवीकरण देखने को मिला। इस पूरे प्रक्रिया में संघ ने जमीनी स्तर पर संवाद स्थापित कर इस विचार को सामाजिक स्वीकृति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संगठनात्मक दृष्टि से भी यह चुनाव एक उदाहरण प्रस्तुत करता है कि किस प्रकार मजबूत जमीनी ढांचा चुनावी सफलता का आधार बन सकता है। बूथ स्तर तक सक्रियता, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय, गुटबाजी पर नियंत्रण और नए-पुराने कार्यकर्ताओं का एकीकरण-इन सभी पहलुओं में संघ की भूमिका महत्वपूर्ण रही। यह केवल एक राजनीतिक दल का प्रयास नहीं था, बल्कि एक व्यापक संगठनात्मक सहयोग का परिणाम था, जिसने भाजपा को एक सशक्त चुनावी शक्ति के रूप में स्थापित किया। इस जीत में नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और अमित शाह की रणनीतिक क्षमता ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया, लेकिन इन प्रयासों को प्रभावी बनाने के लिए जिस सामाजिक आधार की आवश्यकता थी, वह संघ ने तैयार किया। यही कारण है कि यह जीत केवल शीर्ष नेतृत्व की सफलता नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर किए गए सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। इस चुनाव में बंगाल के मध्यम वर्ग का झुकाव भी एक महत्वपूर्ण संकेत के रूप में सामने आया। यह वर्ग परंपरागत रूप से विचारशील और राजनीतिक रूप से सजग माना जाता है और इसका समर्थन किसी भी राजनीतिक दल के लिए निर्णायक होता है। संघ ने इस वर्ग के बीच संवाद और जागरूकता के माध्यम से एक वैचारिक आधार तैयार किया, जिससे यह वर्ग भाजपा के समर्थन में एक मजबूत शक्ति के रूप में उभरा। इस पूरे परिवर्तन को जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के दृष्टिकोण और उनके सपनों के संदर्भ में भी देखा जा सकता है। उन्होंने जिस राष्ट्रवादी विचारधारा की नींव रखी थी, उसे आज बंगाल की धरती पर एक नए रूप में साकार होते हुए देखा जा रहा है। यह केवल एक राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक वैचारिक निरंतरता का प्रतीक भी है। अंततः यह स्पष्ट होता है कि पश्चिम बंगाल 2026 का चुनाव केवल एक चुनावी घटना नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और वैचारिक परिवर्तन का प्रतीक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जिस प्रकार से वर्षों तक धैर्य और अनुशासन के साथ समाज के भीतर कार्य किया, वह आज परिणाम के रूप में सामने आया है। यह परिवर्तन यह संकेत देता है कि जब संगठनात्मक शक्ति, वैचारिक स्पष्टता और नेतृत्व की दिशा एक साथ मिलती है, तो वे न केवल राजनीतिक परिणामों को प्रभावित करती हैं।

देश | दुनीया से

बंगाल में निर्ममता की हार, तुष्टिकरण पर प्रहार और विकास की बयार

पश्चिम बंगाल के जनादेश ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि जनता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के निर्णायक, प्रभावी और परिणाम देने वाले नेतृत्व पर अडिग विश्वास रखती है। यह भरोसा किसी भावनात्मक लहर का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों से दिख रहे सुशासन, पारदर्शिता और निरंतर विकास की ठोस बुनियाद पर खड़ा है। यह केवल एक चुनावी परिणाम नहीं, बल्कि बंगाल की जनता के भीतर वर्षों से पनप रहे आक्रोश, पीड़ा और बदलाव की आकांक्षा का सशक्त विस्फोट है। इस जनादेश में साफ दिखता है कि जनता ने भय की राजनीति को नकारते हुए भरोसे को अपनाया, तुष्टिकरण को ठुकराकर विकास को चुना और भ्रष्टाचार के खिलाफ खड़े होकर सुशासन को प्राथमिकता दी। बंगाल में यह जीत वास्तव में जनता की जीत है। ममता बनर्जी के नेतृत्व में चल रहे टोलाबाजी, सिंडिकेट राज, भ्रष्टाचार, राजनीतिक हिंसा और खुले तुष्टिकरण के खिलाफ जनता लंबे समय से सड़कों पर थी। हर वर्ग, चाहे वह किसान हो, युवा हो, महिला हो या व्यापारी, सबने इस व्यवस्था के खिलाफ मन बना लिया था। पिछले वर्षों में पश्चिम बंगाल में जिस तरह से हिन्दू समाज के साथ भेदभाव हुआ, वह किसी से छिपा नहीं है। तुष्टिकरण की राजनीति ने सामाजिक संतुलन को बिगाड़ा और अवैध घुसपैठ को प्रोत्साहन देकर राज्य की पहचान और सुरक्षा दोनों पर सवाल खड़े कर दिए गए। हालात ऐसे बन गए थे कि कई इलाकों में हिन्दू समाज को दोयम दर्जे का नागरिक बना दिया गया। चुनाव के समय उन्हें वोट डालने तक से रोका गया, डराया-धमकाया गया। यह लोकतंत्र का अपमान था, लेकिन इस बार जनता ने इन सबका जवाब दिया है। ममता बनर्जी की हताशा चुनाव से पहले ही दिखने लगी थी। एक भ्रष्ट निजी कंपनी को बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट तक जाना, मतगणना में केंद्रीय कर्मचारियों की उपस्थिति का विरोध करना, ये सभी कदम इस बात के संकेत थे कि उन्हें अपनी हार का अंदाजा हो चुका था। लेकिन लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता का होता है और जनता ने

अपना फैसला स्पष्ट रूप से सुना दिया। यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दिखाती है कि देश की जनता आज भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व पर अटूट विश्वास रखती है। पिछले 12 वर्षों में केंद्र में भाजपा की सरकार ने जिस तरह से विकास और सुशासन का मॉडल प्रस्तुत किया है, उसका असर हर राज्य में दिख रहा है। जहां-जहां भाजपा की सरकारें हैं, वहां न केवल विकास हुआ है बल्कि जनता ने बार-बार उस पर मुहर लगाई है। असम इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनना और वह भी पहले से अधिक, लगभग तीन-चौथाई बहुमत के साथ, यह बताता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में राज्य सरकारों ने विकास के नए मानक स्थापित किए हैं। असम में बुनियादी ढांचे से लेकर कानून-व्यवस्था तक हर क्षेत्र में सुधार हुआ है, जिसका परिणाम जनता के विश्वास के रूप में सामने आया है। इन विधानसभा चुनावों में विपक्ष पूरी तरह से बिखरा हुआ नजर आया। राहुल गांधी एक बार फिर इस चुनाव में असफल नेता के रूप में सामने आए हैं। वह न तो इंडी गठबंधन को एकजुट रख पाए और न ही जनता के बीच कोई विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत कर पाए। चुनाव परिणामों के समय उनका विदेश में होना यह दर्शाता है कि वह इस जिम्मेदारी को गंभीरता से लेने के लिए तैयार ही नहीं हैं। इंडी गठबंधन अब केवल नाम का गठबंधन रह गया है, जिसका भविष्य अंधकारमय दिखता है। तमिलनाडु में वर्षों से जो लोग सनातन संस्कृति का अपमान करते आए, जिन्होंने हिन्दू आस्थाओं को निशाना बनाया, दीपम जैसे धार्मिक आयोजनों में बाधाएं डालीं और धर्म-भाषा के नाम पर समाज को बांटने की कोशिश की। जनता ने उन्हें भी करारा जवाब दिया है। सनातन संस्कृति की तुलना डेंगू-मलेरिया जैसी बीमारियों से करने वाली मानसिकता को जनता ने नकार दिया है। यह बदलाव धीरे-धीरे ही सही, लेकिन स्थायी रूप से उभर रहा है। पुडुचेरी में भी भाजपा के प्रति जनता का विश्वास बढ़ा है। भले ही यह प्रतिशत में कम दिखे, लेकिन यह संकेत स्पष्ट है कि दक्षिण भारत में भी भाजपा अपनी पकड़ मजबूत कर रही है। केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भी वैचारिक बदलाव की शुरुआत हो चुकी है। केरल में भी भाजपा का आधार लगातार मजबूत हो रहा है। भले ही अभी वहां सत्ता तक पहुंचने में समय लगे, लेकिन जनता के बीच वैचारिक परिवर्तन साफ दिखाई दे रहा है। यह दर्शाता है कि देश का हर कोना अब विकास और राष्ट्रवाद की राजनीति की ओर बढ़ रहा है। बंगाल की इस ऐतिहासिक जीत के पीछे भाजपा के लाखों कार्यकर्ताओं का संघर्ष और बलिदान छिपा हुआ है। पिछले कई वर्षों में, खासकर पिछले विधानसभा चुनाव के बाद, भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिस तरह की हिंसा और उत्पीड़न का सामना किया, वह अभूतपूर्व था। हजारों कार्यकर्ताओं को बेघर होना पड़ा, कईयों के घरों में आग लगा दी गई, दुकानों को लूट लिया गया, महिलाओं के साथ अत्याचार हुए और कई कार्यकर्ताओं ने अपनी जान तक गंवाई। तृणमूल कांग्रेस के गुंडों द्वारा किए गए इन अत्याचारों के बावजूद भाजपा कार्यकर्ता डटे रहे। उन्होंने हार नहीं मानी, बल्कि और मजबूती से संघर्ष किया। यह संघर्ष केवल राजनीतिक नहीं था, बल्कि विचारधारा और लोकतंत्र की रक्षा का संघर्ष था।

आप का | नजरीया

भगवा हुआ बंगाल

बंगाल में भाजपा का खेला काम कर गया। ऐसा भी नहीं है कि तीन बार से सत्ता पर काबिज बंगाल की शेरनी ममता से जनता का मोहभंग हाल-फिलहाल की घटना है। भाजपा ने दशकों से आक्रामक रणनीति से चुनावी तैयारी की है। केंद्र सरकार के तमाम संसाधनों का गाहे-बगाहे प्रयोग किया। बंगालियों को रास आने वाले तमाम विमर्श गढ़े और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के जरिये लाखों मतदाताओं को बाहर का रास्ता दिखाया। मोदी-शाह की आक्रामक रणनीति के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यकर्ता स्तर पर गहन अभियान चले। फिलहाल, गंगोत्री से गंगासागर तक भाजपा का शासन हो गया है। गंगा के प्रवाह के साथ बहने वाले झारखंड को छोड़ दें तो बाकी राज्य भगवामय हैं। जहां बंगाल में पहली बार कमल खिला है, वहीं तमिलनाडु में थलापति के नाम से चर्चित सुपरस्टार विजय की दमदार एंट्री हुई है। उन्होंने भी परंपरागत राजनीतिक दलों की घोषणाओं से बढ़कर लोकलुभावने वायदे किए हैं। फलतः दो ध्रुवीय द्रविड़ राजनीति सत्ता से बाहर हुई है। स्टालिन न केवल हारे हैं, बल्कि उनकी सरकार भी गई। छह दशक बाद राज्य में गैर द्रविड़ियन सरकार बनने जा रही है। हालांकि, अभी सत्ता में आने के लिये टीवीके को गठबंधन का सहारा लेना होगा। भाजपा के लिये भी पत्ते खेलने के अवसर हैं। जहां बंगाल, केरलम व तमिलनाडु में सत्ता विरोधी लहर में सरकारें धराशायी हुई हैं, वहीं असम में भाजपा की हैट्रिक बनी है। हेमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में भाजपा ने भरपूर बहुमत पाया है। पुडुचेरी में फिर एनडीए सत्ता पर काबिज हुआ है। लेकिन भाजपा की इस जीत की खुशी के बीच केरलम में कांग्रेस नीत गठबंधन की वापसी हुई है। पांच राज्यों के चुनाव परिणाम वाम दलों के लिये दुःस्वप्न ही साबित हुए हैं, केरलम में उनका आखिर गढ़ भी हाथ से निकल गया है। हालांकि, केरलम में भाजपा ने तीन व तमिलनाडु में एक सीट जीतकर हिंदी बेल्ट की पार्टी के ठप्पे से मुक्त होने का प्रयास किया है। इन विधानसभा चुनाव परिणामों का निष्कर्ष यह भी है कि अब क्षेत्रीय क्षत्रपों की मुखर आवाज कुंद हो गई है। जहां ममता, स्टालिन व विजयन सत्ता से बाहर हो गए हैं, वहीं शरद पवार, अरविंद केजरीवाल, नीतीश कुमार, नवीन पटनायक का प्रभाव भी फीका हुआ है। वर्तमान विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद देश का 72 फीसदी भूभाग व 78 फीसदी आबादी भाजपा शासित है। अनुमान है कि अब भाजपा 'एक देश, एक चुनाव' के मुद्दे पर मुखर हो सकती है। कयास बंगाल को लेकर भी हैं कि वहां आंदोलनों के अगुवा रहे सुवेंदु अधिकारी को सत्ता की बागडोर सौंपी जाएगी, या भाजपा कोई चौंकाने वाली पहल करती है। बहरहाल, बंगाल में भाजपा ने आक्रामक चुनावी रणनीति से महज 8 फीसदी वोट प्रतिशत की वृद्धि से 131 सीटें बढ़ा ली हैं। इतना ही नहीं टीएमसी के मजबूत गढ़ों में 53 सीटें कब्जा ली हैं। बहरहाल, पहले से ही कमजोर विपक्ष को यह परिणाम बड़ा झटका है। कांग्रेस व वाम दलों से किनारा करके चलने की ममता की महत्वाकांक्षी कोशिश का लाभ भाजपा को मिला है। हां, इतना जरूर है कि दक्षिण भारत में पकड़ बनाने के लिये भाजपा को कड़ी मेहनत करनी होगी। इस बार उसे केरल की तीन व तमिलनाडु की एक सीट पर ही संतोष करना पड़ा है। वहीं केरलम में वाम मोर्चे के अंतिम किले का ध्वस्त होना और लगातार टकराव के मूड में रहने वाले स्टालिन की विदाई उसका उत्साह बढ़ाने वाले हैं। बहरहाल- ममता, विजयन और स्टालिन की हार से संकेत मिलता है कि कांग्रेस विपक्ष के कमजोर 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व करती रहेगी। लेकिन भाजपा को आने वाले समय में पंजाब में कड़ा मुकाबला करना पड़ेगा, जहां आम आदमी पार्टी व कांग्रेस अपनी जमीन मजबूत करने के प्रयासों में लगे हैं। बहरहाल, विगत में राजनीतिक हिंसा का इतिहास रखने वाले पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान उपजी कटुता को नियंत्रित करने के प्रयास बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के करने होंगे। निस्संदेह, लोकतंत्र में हिंसा की कोई भूमिका नहीं स्वीकारी जानी चाहिए।

भाजपा ने दशकों से आक्रामक रणनीति से चुनावी तैयारी की है। केंद्र सरकार के तमाम संसाधनों का गाहे-बगाहे प्रयोग किया। बंगालियों को रास आने वाले तमाम विमर्श गढ़े और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के जरिये लाखों मतदाताओं को बाहर का रास्ता दिखाया। मोदी-शाह की आक्रामक रणनीति के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यकर्ता स्तर पर गहन अभियान चले। फिलहाल, गंगोत्री से गंगासागर तक भाजपा का शासन हो गया है। गंगा के प्रवाह के साथ बहने वाले झारखंड को छोड़ दें तो बाकी राज्य भगवामय हैं। जहां बंगाल में पहली बार कमल खिला है, वहीं तमिलनाडु में थलापति के नाम से चर्चित सुपरस्टार विजय की दमदार एंट्री हुई है। उन्होंने भी परंपरागत राजनीतिक दलों की घोषणाओं से बढ़कर लोकलुभावने वायदे किए हैं। फलतः दो ध्रुवीय द्रविड़ राजनीति सत्ता से बाहर हुई है। स्टालिन न केवल हारे हैं, बल्कि उनकी सरकार भी गई। छह दशक बाद राज्य में गैर द्रविड़ियन सरकार बनने जा रही है। हालांकि, अभी सत्ता में आने के लिये टीवीके को गठबंधन का सहारा लेना होगा। भाजपा के लिये भी पत्ते खेलने के अवसर हैं। जहां बंगाल, केरलम व तमिलनाडु में सत्ता विरोधी लहर में सरकारें धराशायी हुई हैं, वहीं असम में भाजपा की हैट्रिक बनी है। हेमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में भाजपा ने भरपूर बहुमत पाया है। पुडुचेरी में फिर एनडीए सत्ता पर काबिज हुआ है।

कुछ | अलग

आंव कै गेय हो! जय हो! जय हो!

एक था राजा। एक थी प्रजा। राजा एक ही होता है। प्रजा अनेक होती है। राजा नियम से अनपढ़ था। प्रजा पढ़ी लिखी। राजा का अनपढ़ होना जरूरी होता है। पढ़ा लिखा राजा प्रजा के लिए अशुभ होता है। अनपढ़ राजा प्रजा के लिए शुभ होता है। राजा के पास कोई डिग्री नहीं होती। उसके पास जनता को बहलाने फुसलाने का अनुभव होता है। जो प्रजा को जितना अधिक बहलाता फुसलाता है, वह उतना ही महान राजा कहलाता है। एक दिन राजा के सलाहकार को मस्ती मस्ती में पता नहीं क्यों प्रजा हित की सूझी? तब बेड रूम में दोपहर को सोए राजा के सलाहकार ने अपनी पीठ थपथपाते, राजकोष से मौज उड़ाते, मसखरी मसखरी में राजा से कहा, 'हे राजन! आई फील, जनता पर करों का बोझ गधे की पीठ से अधिक हो गया है।' 'डियर सलाहकार! प्रजा होती ही राजा के करों का बोझ ढोने को है। पर तुम सलाहकार मेरे हो या प्रजा के? जो प्रजा राजा के ऐशो आराम के लिए लगाए करों को नहीं ढोती, वह प्रजा आदर्श प्रजा नहीं होती।' 'सो तो ठीक है महाराज! माना, प्रजा का काम हर सिस्टम में राजा को ढोना ही होता है। पर राजा को तब जरा चौकन्ना हो जाना चाहिए जब जब प्रजा का मन रोता है। प्रजा का तन रोए तो कोई चिंता नहीं। प्रजा का तन निचोडना हर तंत्र के राजा का पारिवारिक अधिकार होता है।' 'क्या तन मन दो अलग अलग होते हैं?' 'जी जनाब!' 'मतलब?' 'अब आहत प्रजा को तनिक राहत दे दी जाए।' 'प्रजा को राहत! मतलब मेरे पर्सनल खजाने की लूट?' राजा गुस्साया। 'नहीं महाराज! प्रजा तो सूरज की किरण की नोक भर छूट पर भी जय जयकार कर उठती है।'

दृष्टि | कोण

मुफ्त बांट से पिसती है अर्थव्यवस्था

देश में मुफ्त बांट यानी फ्रीबीज की घोषणाएं इन दिनों सामाजिक गलियारों में एक प्रमुख चर्चा और चिंता का विषय बनी हुई हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने भी सत्ताधीशों द्वारा मुफ्त की चीजें इत्यादि बांटने पर गहरी नाराजगी जताई है। माननीय कोर्ट का सही मानना है कि इससे लोग काम करने की बजाय मुफ्त सुविधाओं पर निर्भर हो रहे हैं। इस तरह की योजनाएं राज्यों की अर्थव्यवस्था पर बोझ बन रही हैं। असल मे मुफ्तबांट के चक्कर में राज्यों का पूंजीगत खर्च कम हो रहा है, जिससे विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। मुफ्त बांटने के कारण कई राज्यों पर भारी कर्ज (जीडीपी का 40 फीसदी से अधिक) होने की बात सामने आई है, जहां आय का बड़ा हिस्सा सिर्फ सबसिडी में जा रहा है। एक सर्वेक्षण के अनुसार 55 फीसदी लोग मुफ्त की योजनाओं को बंद करने के पक्ष में हैं, जबकि 77 फीसदी का मानना है कि ये योजनाएं लोगों को कामचोर बना रही हैं। मुफ्त बांट के चलते देश के लगभग हर राज्य की वित्तीय हालत खराब हो रही है। केंद्र सरकार की रिपोर्ट में भी इस पर चिंता जताई गई है। अनेक राज्यों की अर्थव्यवस्था के लिए मुफ्तबांट अब बड़ा खतरा बनते जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट बताती है कि पिछले साल एक राज्य के विधानसभा चुनाव से पहले 38000 करोड़ रुपए खर्च किए गए। इसके बाद सरकार के पास जरूरी खर्चों के लिए पैसे ही नहीं बचे। नतीजतन, बिजली दरें बढ़ीं, बुनियादी ढांचा से जुड़े कामकाज ठप पड़ गए। पिछले कुछ बरसों में देश में मुफ्त कल्याणकारी योजनाएं तेजी से बढ़ी हैं। इससे राजस्व खर्च बढ़ रहा है। बढ़ा हुआ राजस्व खर्च विकास कार्यों पर असर डालता है। सडक़, पुल, बांध जैसे इंफ्रा प्रोजेक्ट पर यही पैसा लगाया जा सकता था। ऐसा नहीं होने पर रोजगार सृजन प्रभावित होता है। स्कूल-कॉलेज और कौशल विकास में सुस्ती से भविष्य में तरक्की धीमी हो सकती है। व्यवस्था ऐसी योजनाओं के आर्थिक दबाव में आएगी, फिर आर्थिक तरक्की कैसे होगी? अगले दो वर्षों में हमारे सामने आर्थिक मोर्चे पर सबसे बड़ी

चुनौती हो सकती है। साथ ही, अगले साल की शुरुआत में आठवें वेतन आयोग के तहत नया वेतनमान लागू करना होगा, जिससे राज्यों को भी वेतन बढ़ाना पड़ेगा। यह वर्ग बड़ा वोटर भी है। सीमित खजाने और सिकुड़ते संसाधनों के बीच मुफ्त योजनाओं और विकास कार्यों का संतुलन बनाए रखना सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। आर्थिक दबाव, महंगाई और चुनावी योजनाओं का तालमेल अब कठिन होता दिख रहा है। पिछले दिनों कई राज्यों में लोकलुभावन वादे पूरे करने में बजट की समस्या देखने को मिली। वोटरों को लुभाने के लिए फ्रीबीज अर्थव्यवस्था के लिए ठीक नहीं है। फ्रीबीज यानी रेवड़ी में अक्सर वे चीजें होती हैं, जो लोगों को सक्षम बनाने का काम नहीं करतीं। हमें फ्रीबीज को तरक्की के वादों से अलग करना होगा। अगर हम अपने संविधान की बात करें, तो उसके एक अनुच्छेद में साफ लिखा है कि राज्य को लोगों की आमदनी में असमानता कम करने की कोशिश करनी चाहिए। उसे स्टेटस, सुविधाओं और मौकों में जो नाइंसाफी है, उसे खत्म करने की कोशिश करनी चाहिए। इस नजरिए से देखें, तो बहुत जरूरी हो जाता है कि कुछ ऐसी चीजें हों जो लोगों की जिंदगी का स्तर ऊपर उठाएं और उनके लिए मौके बनाएं। नौकरी पैदा करना, रोजगार देना, या स्किल डिवेलप करना- ये राज्य की कुछ अहम जिम्मेदारियां हैं। लेकिन फ्रीबीज कल्चर के साथ दिक्कत यह है कि इसमें आप तरक्की के लिए सही माहौल नहीं बना रहे होते। आप एक आलसी और बेकार वर्कफोर्स बनाते हैं, जो बस घर पर बैठकर सबसिडी का मजा लेगी।

देवरिया में नवागत डीएम मधुसूदन हुल्गी ने संभाला कार्यभार, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर दिया जोर

देवरिया, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के जनपद देवरिया में बुधवार को नये जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने विधिवत पदभार बुधवार को ग्रहण किया। वे 2015 बैच के आईएएस अधिकारी हैं तथा मूल रूप से कर्नाटक राज्य के निवासी हैं। देवरिया में कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व वह मुख्यमंत्री कार्यालय में विशेष सचिव के पद पर कार्यरत रहे हैं। जनपद में उन्होंने 69वें जिलाधिकारी के रूप में कार्यभार संभाला। पदभार ग्रहण करने के उपरांत जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में शासन की सभी योजनाओं एवं कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से जमीनी स्तर पर लागू करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी, ताकि अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रशासन की पूरी टीम समन्वय के साथ कार्य करेगी तथा जनसमस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान हेतु प्रतिबद्ध रहेगी। पदभार ग्रहण करने के पश्चात जिलाधिकारी ने अपने कक्ष में अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया तथा कलेक्ट्रेट परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने न्यायालय कक्ष, एनआईसी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष, ई-डिस्ट्रिक्ट कार्यालय, नजारत, संयुक्त कार्यालय, भूलेख, अभिलेखागार एवं नवीन कलेक्ट्रेट सभागार सहित विभिन्न पटलों का जायजा लिया। अभिलेखागार के निरीक्षण के दौरान उन्होंने अभिलेखों के समुचित रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के उपरांत जिलाधिकारी ने अपने कक्ष में बैठकर जनसुनवाई कर उनकी समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त) रामशंकर, उपजिलाधिकारी सदर सीमा पांडेय, उपजिलाधिकारी रुद्रपुर अवधेश कुमार निगम, वरिष्ठ कोषाधिकारी अतुल कुमार पाण्डेय, प्रशासनिक अधिकारी सुशील कुमार, डीआईओ एनआईसी कृष्णानंद यादव, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर राजीव कुमार मिश्र सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रक्षा त्रिवेणी संगम से आत्मनिर्भर भारत को मिलेगी नई गति: योगी

प्रयागराज, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रक्षा त्रिवेणी संगम के रूप में टेक्नोलॉजी, ज्ञान और इनोवेशन को एक मंच पर लाने का ऐतिहासिक प्रयास है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के विजन को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री योगी बुधवार को संगम नगरी में आयोजित नॉर्थ टेक सिंपोशियम के समापन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने प्रयागराज की आध्यात्मिक और ऐतिहासिक महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम की तरह यह सिंपोशियम भी टेक्नोलॉजी, इंडस्ट्री और सैन्य शक्ति के संगम का प्रतीक बना है। उन्होंने कहा कि भारत की परंपरा वसुधैव कुटुंबकम की रही है, लेकिन उदारता की रक्षा के लिए शक्ति और सामर्थ्य भी उतनी ही आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आधुनिक युद्ध अब केवल जल, थल और वायु तक सीमित नहीं है, बल्कि साइबर, स्पेस और डेटा आधारित मल्टी-डोमेन ऑपरेशन का स्वरूप ले चुका है। ऐसे में तकनीकी आत्मनिर्भरता और रक्षा उत्पादन में स्वदेशी क्षमता बढ़ाना समय की मांग है। मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश में 2017 के बाद कानून-व्यवस्था में सुधार और जीरो टॉलरेंस नीति के कारण निवेश का माहौल बेहतर हुआ है। इसी का परिणाम है कि राज्य में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर तेजी से विकसित हो रहा है। लखनऊ, कानपुर, झांसी, आगरा, अलीगढ़ और चित्रकूट जैसे नोड्स में हजारों करोड़ के निवेश प्रस्ताव जमीन पर उतर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत रक्षा उत्पादों के आयातक से निर्यातक देश बन रहा है और उत्तर प्रदेश इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राज्य में स्किल्ड मैनपावर, एमएसएमई नेटवर्क और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर डिफेंस सेक्टर को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहा है।

विंग कमांडर का संबोधन - समापन सत्र में विंग कमांडर ने कहा कि नॉर्थ टेक सिंपोशियम ने पिछले दो दिनों में टेक्नोलॉजी, विशेषज्ञता और इनोवेशन का प्रभावी मंच प्रदान किया। उन्होंने बताया कि आधुनिक सैन्य क्षमता अब टेक्नोलॉजी आधारित तैयारी पर निर्भर है, जो केवल सेना, उद्योग, शैक्षणिक संस्थानों और सरकार के मजबूत समन्वय से ही संभव है। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार और एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि राज्य में डिफेंस इंडस्ट्री के लिए तेजी से विकसित हो रहा इकोसिस्टम देश को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। बड़ी संख्या में उद्योगों, स्टार्टअप्स और इनोवेटर्स की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि उत्तर प्रदेश डिफेंस टेक्नोलॉजी हब के रूप में उभर रहा है।

कार्यक्रम में प्रमुख उपस्थिति - समापन अवसर पर कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता, सैन्य अधिकारी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, शैक्षणिक संस्थानों के विशेषज्ञ, स्टार्टअप्स और बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे। सभी ने इस आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले संस्थानों और प्रतिभागियों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि रक्षा त्रिवेणी संगम की यह पहल भविष्य में देश की सुरक्षा और तकनीकी आत्मनिर्भरता को नई दिशा देगी।

पश्चिम बंगाल को लूटने की परत-दर-परत जांच होगी : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि पश्चिम बंगाल को लूटने की परत-दर-परत जांच होगी। एक भी भ्रष्टाचारी नहीं बचेगा। उप मुख्यमंत्री ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर लिखा कि ममता बनर्जी की विधानसभा में करारी हार उनकी व्यक्तिगत ही नहीं, बल्कि अत्याचार, सिंडिकेट, घुसपैठियों के संरक्षण, तुष्टिकरण की राजनीति और भ्रष्टाचार की भी पराजय है। जनता का संदेश साफ है कि कुर्सी खाली करो। उनकी पार्टी का इतिहास इतना काला है कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सरकार अब कभी नहीं बनेगी। लोकतंत्र का गला घोटकर पश्चिम बंगाल को लूटने की परत-दर-परत जांच होगी। एक भी भ्रष्टाचारी नहीं बचेगा। अपनी सम्मानजनक विदाई लेना ही ममता दीदी के पास एकमात्र रास्ता है।

फिरोजाबाद के नवागत जिलाधिकारी ने संभाला कार्यभार, बताई शासन की प्राथमिकताएं

फिरोजाबाद, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के जनपद फिरोजाबाद में बुधवार को नवागत जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने विधिवत रूप से पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता जनसुनवाई और शासन की विकास योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। नवागत जिलाधिकारी संतोष शर्मा बुधवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे। जहां उनका अपर जिलाधिकारी विशु राजा, मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे मोहनलाल गुप्ता सहित अन्य अधिकारियों ने बुके भेंट कर स्वागत किया। इसके बाद जिलाधिकारी ने विधिवत रूप से कोषागार पहुंचकर पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में कानून व्यवस्था से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। आमजन की समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह सभी विभागों की जवाबदेही बनाकर सरकारी योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने का काम करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने जनसुनवाई और शासन की विकास योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता बताया। जिलाधिकारी ने कहा कि फिरोजाबाद जनपद कृषि और उद्योग दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण है, यहां बड़े पैमाने पर आलू की खेती होती है, इसलिए फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स को बढ़ावा देकर किसानों को लाभ पहुंचाने की दिशा में कार्य होगा। साथ ही विश्व प्रसिद्ध कांच उद्योग को और मजबूती देने के लिए भी योजनाबद्ध प्रयास किए जाएंगे, इसमें जो भी समस्याएं होंगी उनका प्राथमिकता से निस्तारण कराया जाएगा।

नैमिषारण्य में बनेगा आधुनिक पिलग्रिम इंटरप्रिटेशन सेंटर, 3.72 करोड़ की परियोजना को मंजूरी

सीतापुर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में जनपद सीतापुर स्थित पवित्र तीर्थ स्थल नैमिषारण्य को भव्यतम स्वरूप प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में पौराणिकता और नवाचार को समाहित करते हुए नैमिष स्थित पुरानी धर्मशाला को आधुनिक 'पिलग्रिम इंटरप्रिटेशन सेंटर' के रूप में विकसित किया जाएगा। खास बात ये है कि विरासत भवन की मूल संरचना को सुरक्षित रखते हुए उसे आधुनिक सुविधाओं से जोड़ा जाएगा। प्रदेश सरकार ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए 3.72 करोड़ रुपए की मंजूरी देते हुए पहली किस्त के रूप में 2.98 करोड़ रुपए जारी किए हैं। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बुधवार को बताया कि 'नैमिषारण्य के इस इंटरप्रिटेशन सेंटर में श्रद्धालुओं को स्थानीय इतिहास, धार्मिक महत्व और सांस्कृतिक विरासत की विस्तृत जानकारी मिलेगी। इसके लिए भवन के भीतर अलग-अलग थीम पर आधारित गैलरियां बनाई जाएंगी, जिनमें कॉस्मिक ऑर्डर, जीवन का विकास, सभ्यता का उदय, महाकाव्य और ज्ञानोदय जैसे विषयों की रोचक प्रस्तुत होगी।'

पिलग्रिम इंटरप्रिटेशन सेंटर में क्या होगा?

परियोजना के तहत पूरे परिसर का समग्र विकास किया जाएगा, जिससे यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। योजना अंतर्गत आधुनिक प्रवेश लॉबी, आकर्षक एम्फीथिएटर, सुव्यवस्थित कैफेटेरिया, मूर्तिकला मार्ग और स्वच्छ शौचालय ब्लॉक विकसित किए जाएंगे। इसके साथ ही मौजूदा भवन का नवीनीकरण और नई इमारत का निर्माण किया जाएगा, जिसे इस तरह डिजाइन किया जाएगा कि पूरे क्षेत्र का सांस्कृतिक और आध्यात्मिक वातावरण और अधिक सजीव व आकर्षक बन सके।

'विकास भी, विरासत भी' के साथ बढ़ रहे- मंत्री

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'इस पहल से नैमिषारण्य क्षेत्र में पर्यटन को नई गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित इंटरप्रिटेशन सेंटर तीर्थ यात्रियों को आधुनिक और समृद्ध अनुभव प्रदान करेगा, जिससे उनकी यात्रा सहज और ज्ञानवर्धक बनेगी। स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

पर्यटकों को मिलेगी समग्र जानकारी - अपर मुख्य सचिव, पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग अमृत अभिजात ने बताया कि प्रस्तावित इंटरप्रिटेशन सेंटर के जरिए श्रद्धालुओं और पर्यटकों को एक ही स्थान पर इस पावन स्थल के धार्मिक महत्व, परंपराओं और इतिहास की व्यापक जानकारी मिल सकेगी। इससे न केवल धार्मिक पर्यटन को नई गति मिलेगी, बल्कि क्षेत्र में सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ेगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्राप्त होगी।'

झारखंड सरकार ट्रेजरी घोटाले को सुनियोजित तरीके से दबाने की कोशिश कर रही है : प्रतुल शाहदेव

रांची, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर करीब 10 हजार करोड़ रुपये के कथित ट्रेजरी घोटाले को दबाने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार इस मामले में निष्पक्ष जांच कराने के बजाय इसे सुनियोजित तरीके से दबाने में लगी है। बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रतुल शाहदेव ने कहा कि राज्य सरकार ने वित्त विभाग के पत्रांक (2)-12/26, 252 के तहत केवल तीन साल से अधिक समय से एक ही पद पर कार्यरत क्लर्कों के तबादले का आदेश जारी किया है, जबकि पुलिस अधीक्षक (एसपी), पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) और ट्रेजरी अधिकारी अब भी अपने पदों पर बने हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य आरोप इन्हीं अधिकारियों पर हैं, जिन्हें अब तक नहीं हटाया गया है। उन्होंने बताया कि उत्पाद सचिव के नेतृत्व में गठित एसआईटी ने शुरूआत में वर्ष 2020 से रिकॉर्ड मांगा था और 8 मई को टीम बोकारो जाने वाली है। हालांकि महालेखा परीक्षक (एजी) की आपत्ति के बाद अब वर्ष 2011 से रिकॉर्ड मांगा जा रहा है। प्रतुल के अनुसार, यह कदम जांच को कमजोर करने की मंशा से उठाया गया है। भाजपा प्रवक्ता ने यह भी कहा कि जांच समिति में सीआईडी के वर्तमान आईजी को शामिल नहीं कर पुलिस के मानवाधिकार आईजी को जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही एसआईटी के कुछ सदस्य ऐसे हैं, जिनका कार्यकाल उन जिलों में रहा है, जहां कथित तौर पर ट्रेजरी घोटाले की घटनाएं हुई थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि बोकारो ट्रेजरी के स्ट्रांग रूम में 12 से 14 किलो सोना जमा है, जिसकी वर्तमान स्थिति स्पष्ट नहीं है। उन्होंने मांग की कि एसआईटी टीम स्ट्रांग रूम की जांच कर सोने का भौतिक सत्यापन करे। प्रतुल शाहदेव ने झारखंड वित्तीय नियमावली और ट्रेजरी कोड के नियम 305 का हवाला देते हुए कहा कि डीडीओ और ट्रेजरी अधिकारियों को अपने दायित्वों के प्रति गंभीर होना चाहिए, लेकिन एक माह बीत जाने के बावजूद संबंधित अधिकारी अपने पदों पर बने हुए हैं, जिससे जांच प्रभावित हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रिंसिपल एजी की 2 अप्रैल 2026 की रिपोर्ट में ट्रेजरी में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के प्रमाण सामने आए थे। रिपोर्ट के अनुसार 58 प्रतिशत डीए में असामान्य वृद्धि, मास्टर डाटा नियंत्रण में गंभीर खामियां, 2175 मामलों में जन्मतिथि में बदलाव, 2890 पैन नंबर में गड़बड़ी और 5037 कर्मचारियों की जॉइनिंग तिथि में छेड़छाड़ पाई गई थी। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि सरकार का रवैया यह संकेत देता है कि इस मदर ऑफ स्कैम को दबाने की कोशिश हो रही है। उन्होंने मांग की कि इस पूरे मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराई जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसा नहीं किया गया, तो भाजपा भविष्य में आंदोलनात्मक कदम उठाएगी। प्रेस वार्ता में प्रदेश सह मीडिया प्रभारी अशोक बड़ाइक भी मौजूद थे।

राज्यपाल से मिला हिन्दू जनजागृति समिति का शिष्टमंडल, डिजिटल व्यसन व उपभोक्ता हितों के मुद्दे उठाए

रांची, (हि.स.)। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से बुधवार को हिन्दू जनजागृति समिति के राज्य समन्वयक शंभू गवारे के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने रांची स्थित लोकभवन में मुलाकात की। इस दौरान शिष्टमंडल ने विभिन्न समसामयिक और जनहित से जुड़े मुद्दों पर राज्यपाल का ध्यान आकृष्ट करते हुए ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में निजी बस संचालन में ऑनलाइन ट्रैवल एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म्स द्वारा कथित रूप से अधिक किराया वसूली का मुद्दा प्रमुख रूप से उठाया गया। साथ ही डिजिटल माध्यमों के दुरुपयोग से उत्पन्न उपभोक्ता हितों से जुड़ी चुनौतियों पर चिंता व्यक्त करते हुए इस दिशा में एक समग्र राष्ट्रीय नीति बनाए जाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। इसके अतिरिक्त, शिष्टमंडल ने विद्यार्थियों में बढ़ते डिजिटल व्यसन को गंभीर समस्या बताते हुए बच्चों और युवाओं के शारीरिक व मानसिक विकास पर इसके दुष्प्रभाव को रेखांकित किया। उन्होंने स्क्रीन टाइम के विनियमन और डिजिटल उपयोग के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश तय करने की जरूरत बताई। शिष्टमंडल ने महाराष्ट्र के नासिक स्थित एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में सामने आए एक प्रकरण का हवाला देते हुए कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों को लेकर भी चिंता जताई।

उन्होंने ऐसे मामलों में प्रभावी और निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए पहल की मांग की। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद, झारखंड प्रांत के अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत, पुरातात्विक विशेषज्ञ एवं समाजसेवी एसडी सिंह, पूजा चौहान समेत अन्य लोग भी मौजूद थे।

गर्मी में चाईबासा प्रमंडल के 18 चापाकल हुए दुरुस्त, ग्रामीणों को मिली राहत

पश्चिमी सिंहभूम, (हि.स.)। भीषण गर्मी और बढ़ते पेयजल संकट के बीच पश्चिमी सिंहभूम जिला प्रशासन ने राहत पहुंचाने के लिए पहल तेज कर दी है। उपायुक्त मनीष कुमार के निर्देश पर पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, चाईबासा द्वारा विभिन्न प्रखंडों में खराब पड़े चापाकलों की मरम्मत के लिए विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत कुल 18 चापाकलों को ठीक कर पुनः चालू किया गया, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को काफी राहत मिली है। अभियान के दौरान सदर चाईबासा प्रखंड के टोंटो पंचायत अंतर्गत बड़बिल गांव के मछुआसाई टोला में एक तथा घाघरी गांव के टीरगलसाई टोला में दो चापाकलों की मरम्मत की गई। वहीं नोवामुंडी प्रखंड के बड़ा पासेया पंचायत स्थित डुमरजोवा गांव के तिरियासाई और दिउरीसाई टोला में दो चापाकलों को दुरुस्त किया गया। इसी क्रम में जगन्नाथपुर प्रखंड के बड़ानंदा पंचायत के बड़ानंदा गांव में गरीब बस्ती, खास और मुंडा चौक (खास) टोला में तीन चापाकलों को चालू किया गया। खुंटपानी प्रखंड के लोहरदा पंचायत अंतर्गत अरगुंडी गांव के मुंडासाई और कोजसेबेड़ा टोला में तीन चापाकलों की मरम्मत की गई। टोंटो प्रखंड के बड़ा झींकपानी पंचायत स्थित सन झींकपानी गांव के उपर टोला और टुंगरी टोला में चार चापाकलों को ठीक किया गया। तांतनगर प्रखंड के कोचको पंचायत के रुईबाना गांव के सिरूसाई टोला में एक चापाकल को दुरुस्त किया गया, जबकि झींकपानी प्रखंड के केलेंडे पंचायत अंतर्गत विस्वेमपुर गांव के बंदासाई टोला में दो चापाकलों की मरम्मत की गई। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि गर्मी के मौसम में ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समस्या को देखते हुए यह विशेष अभियान चलाया गया है। आगे भी खराब पड़े चापाकलों की पहचान कर उन्हें जल्द से जल्द ठीक करने की दिशा में कार्य जारी रहेगा, ताकि लोगों को निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

जयप्रकाश विश्वविद्यालय के कॉलेजों में कर्मचारियों की दो दिवसीय हड़ताल शुरू

सारण, (हि.स.)। जयप्रकाश विश्वविद्यालय प्रक्षेत्र अंतर्गत आने वाले तमाम अंगीभूत एवं अल्पसंख्यक महाविद्यालयों में बुधवार को कामकाज पूरी तरह ठप रहा। बिहार राज्य विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर प्रस्तावित राज्यव्यापी चरणबद्ध आंदोलन के तहत कर्मचारियों ने अपनी 15 सूत्री मांगों के समर्थन में सामूहिक रूप से कलमबंद हड़ताल की और धरना किया। महासंघ की कार्यकारिणी एवं वृहद परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में आयोजित इस आंदोलन का व्यापक असर देखने को मिला। प्रक्षेत्र के सभी कॉलेजों में कर्मचारियों ने एकजुटता दिखाते हुए कार्यालयी कार्यों का बहिष्कार किया और परिसर में धरने पर बैठ गए। कर्मचारियों का कहना है कि उनकी ज्वलंत समस्याओं और लंबे समय से लंबित मांगों पर प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिसके कारण उन्हें सड़क पर उतरने को मजबूर होना पड़ा है। प्रक्षेत्रीय सचिव अभिषेक कुमार ने बताया कि इस आंदोलन की पूर्व सूचना विश्वविद्यालय के कुलपति एवं कुलसचिव को पहले ही दे दी गई थी। वहीं प्रक्षेत्रीय अध्यक्ष हरिहर मोहन की अपील पर सभी महाविद्यालयों के स्थानीय सचिवों और अध्यक्षों ने सक्रिय भूमिका निभाई। कर्मचारियों ने नारेबाजी करते हुए स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं होती वे पीछे नहीं हटेंगे। आंदोलन के अगले चरण की घोषणा करते हुए महासंघ ने बताया कि सात मई 2026 को भी सभी कॉलेजों में धरना कार्यक्रम जारी रहेगा। इसके बाद आगामी 20 मई 2026 को विश्वविद्यालय मुख्यालय पर कुलपति के समक्ष एक विशाल और प्रभावी प्रदर्शन किया जाएगा। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों का निराकरण शीघ्र नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और अधिक उग्र और व्यापक बनाया जाएगा।

रजिस्ट्रेशन नंबर जारी नहीं होने से छात्र का आमरण अनशन

भागलपुर, (हि.स.)। तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय भागलपुर में एक छात्र ने प्रशासनिक लापरवाही के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। रजिस्ट्रेशन नंबर जारी नहीं होने से परेशान छात्र ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के मुख्य द्वार पर बुधवार से आमरण अनशन शुरू कर दिया है। छात्र सोनू कुमार जो सत्र 2022-25 का छात्र है, ने आरोप लगाया है कि विश्वविद्यालय द्वारा उसका रजिस्ट्रेशन नंबर अब तक जारी नहीं किया गया है। इस वजह से वह जरूरी शैक्षणिक दस्तावेज प्राप्त नहीं कर पा रहा है और उसका नामांकन भी बाधित हो रहा है। छात्र ने बताया कि इस संबंध में उसने 21 अप्रैल और 28 अप्रैल 2026 को परीक्षा नियंत्रक को आवेदन देकर अपनी समस्या से अवगत कराया था। लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसी से आक्रोशित होकर छात्र ने 6 मई 2026 को सुबह 11 बजे से तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के मुख्य द्वार पर आमरण अनशन शुरू कर दिया है। छात्र का कहना है कि जब तक उसका रजिस्ट्रेशन नंबर जारी कर संबंधित कॉलेज को नहीं भेजा जाता तब तक उसका अनशन जारी रहेगा। फिलहाल इस मामले को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

जिला अवर निबंधक अमरेन्द्र कुमार पर आय से अधिक संपत्ति का मामला, 4 ठिकानों पर छापेमारी

सुपौल, (हि.स.)। आर्थिक अपराध इकाई ने सुपौल के जिला अवर निबंधक अमरेन्द्र कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज किया है। इस संबंध में आर्थिक अपराध इकाई थाना कांड संख्या 06/26, दिनांक 05 मई 2026 के तहत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 13(2) सहपठित धारा 13(1)(बी) के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है। जांच के दौरान प्रथम दृष्टया यह सामने आया है कि अमरेन्द्र कुमार ने अपनी ज्ञात आय से लगभग 1 करोड़ 10 लाख 64 हजार रुपये अधिक की संपत्ति अर्जित की है, जो उनकी कुल आय से करीब 65.08 प्रतिशत अधिक है। मामले में आगे की कार्रवाई करते हुए विशेष न्यायालय निगरानी, पटना से तलाशी वारंट प्राप्त किया गया। इसके बाद 6 मई 2026 की सुबह पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व में अलग-अलग टीमों द्वारा चार ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की गई।जिन स्थानों पर तलाशी की जा रही है, उनमें पटना के आशियाना-दीघा रोड स्थित राज अपार्टमेंट का फ्लैट, सारण (छपरा) स्थित पैतृक आवास, सुपौल स्थित कार्यालय और किराए का आवास शामिल हैं। फिलहाल सभी स्थानों पर तलाशी की कार्रवाई जारी है। आर्थिक अपराध इकाई ने बताया है कि छापेमारी पूरी होने के बाद ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। सुपौल में छापेमारी से शहर में हलचल मच गया। शहर सहित सरकारी गैर सरकारी कार्यालयों में चर्चा का माहौल गर्म हो गया।

अप्रैल में भारत का इस्पात उत्पादन और खपत बढ़ी, सभी श्रेणियों की कीमतों में सुधार

इस्पात क्षेत्र ने अप्रैल में विकास की गति बनाए रखी, सभी श्रेणियों के कीमतों में सुधार

नई दिल्ली

भारत के इस्पात क्षेत्र ने अप्रैल 2026 में अपनी विकास गति को बनाए रखी है। बुनियादी ढांचे और विनिर्माण क्षेत्रों में मज़बूत घरेलू मांग के चलते उत्पादन और खपत में वृद्धि दर्ज की गई है। इस्पात मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में कच्चे स्टील का उत्पादन 14.09 मिलियन टन रहा, जो अप्रैल 2025 के 13.31 मिलियन टन की तुलना में 5.8 फीसदी की सालाना (साल-दर-साल) बढ़ोतरी है। इस दौरान तैयार स्टील का उत्पादन बढ़कर 13.05 मिलियन टन हो गया, जिसमें सालाना आधार पर 3.4 फीसदी की वृद्धि हुई। वहीं, तैयार स्टील की खपत भी 12.99 मिलियन टन तक पहुंच गई, जो 8.1 फीसदी की वृद्धि है।

मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि यह वृद्धि निर्माण, बुनियादी ढांचे और विनिर्माण जैसे अंतिम-उपयोग वाले क्षेत्रों में लगातार बनी हुई तेजी को दर्शाती है। इस दौरान हाट मेटल उत्पादन में भी साल-दर-साल 5.4 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि इस महीने पिग आयरन का उत्पादन 6 फीसदी घटकर 0.69 मिलियन टन रह गया।

मंत्रालय ने बताया कि व्यापार के मोर्चे पर भारत एक मामूली शुद्ध आयातक बना रहा, जहां आयात 0.68 मिलियन टन और निर्यात 0.47 मिलियन टन रहा। इसकी तुलना में अप्रैल 2025 में आयात 0.52 मिलियन टन और निर्यात 0.38 मिलियन टन रहा था। इस प्रकार अप्रैल 2026 में आयात और निर्यात में क्रमश: 30.8 फीसदी और 24.9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

इस्पात मंत्रालय के मुताबिक वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की कुल स्टील क्षमता लगभग 220 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) रही, जो 2030 तक 300 एमटीपीए के राष्ट्रीय स्टील नीति लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। इस दिशा में सेल, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, जेएसपीएल और एएमएनएस जैसी कंपनियां अपनी क्षमता का विस्तार लगातार जारी रखे हुए हैं। मंत्रालय के मुताबिक अप्रैल में घरेलू स्टील की कीमतों में सभी सेगमेंट में तेज़ी देखने को मिली है। टीएमटी/रीबार की कीमतों में महीने-दर-महीने आधार पर लगभग 2.6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। इसके साथ ही साल-दर-साल आधार पर भी 3 फीसदी का लाभ दर्ज किया गया, जो कई महीनों की नरमी के बाद साल-दर-साल आधार पर पहली सकारात्मक बढ़त है।

मंत्रालय ने बताया कि इस दौरान फ्लैट स्टील की कीमतों में ज्यादा तेजी आई, जिसमें हाट-रोल्ड काइल की कीमतों में पिछले महीने के मुकाबले लगभग 6.3 फीसदी और जीपी शीट की कीमतों में लगभग 7.3 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई, जो मजबूत मांग का संकेत है। इस तरह भारत के इस्पात क्षेत्र ने अप्रैल 2026 में अपनी विकास की गति को बनाए रखा, जबकि घरेलू मांग की मज़बूत गति और बुनियादी ढांचे तथा विनिर्माण क्षेत्रों में स्थिर औद्योगिक गतिविधियों का सिलसिला जारी रहा।

न्यूज ब्रीफ

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता होने जा रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं, एशियाई बाजार में भी चौतरफा तेजी का रुख बना हुआ है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के थमने की उम्मीद के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। इस उत्साह के कारण वाल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जान्स 350 अंक की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.81 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,259.22 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार काम किया। इसके अलावा नैस्डेक 258.32 अंक यानी 1.03 प्रतिशत उछल कर 25,326.13 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 100.85 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की छलांग लगा कर 49,399.10 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के कारोबार के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 144.82 अंक यानी 1.42 प्रतिशत टूट कर 10,219.11 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 86.19 अंक यानी 1.07 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,062.31 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

अप्रैल में रिकार्ड 26.1 लाख वाहन बिके, ग्रामीण क्षेत्र बना ग्रोथ इंजन

मुंबई। अप्रैल माह में वाहनों की खुदरा बिक्री ने एक नया इतिहास बना दिया है। इस साल अप्रैल में कुल 26.1 लाख वाहन बिके, जो बीते अप्रैल की तुलना में 12.94 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दिखाता है। इस शानदार प्रदर्शन का श्रेय मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों को जाता है, जिन्होंने शहरी बाजारों से भी बेहतर प्रदर्शन कर देश की आर्थिक गति को बनाए रखा। फेडरेशन आफ आटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) और उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, छह में से पांच वाहन श्रेणियों ने अप्रैल 2024 की बिक्री में रिकार्ड दर्ज किया। इसमें दोपहिया वाहनों ने 13 प्रतिशत, तिपहिया ने 7 प्रतिशत, यात्री वाहनों ने 12 प्रतिशत, वाणिज्यिक वाहनों ने 15 प्रतिशत और ट्रैक्टरों ने 23.22 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि दिखाई। हालांकि, निर्माण उपकरण श्रेणी में 2 प्रतिशत की मामूली गिरावट दर्ज की गई। फाडा के उपाध्यक्ष साई गिरिधर ने इस गति पर संतोष जताकर कहा कि हम वित्त वर्ष 27 में दो अंकों की वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस रिकार्ड तोड़ प्रदर्शन के पीछे कई कारक जिम्मेदार रहे, जिसमें जीएसटी 2.0 के बाद उपभोक्ताओं की खर्च करने की बेहतर क्षमता, भारतीय रिजर्व बैंक का ब्याज दरों के प्रति सहायक रुख जिसने ईएमआई की सुविधा बढ़ाई और देशभर में शादियों का जोरदार सीजन शामिल है।

गोदरेज एरोस्पेस ने मुंबई में लगाई नया प्लांट, 2032 तक 20फीसदी विकास का रखा लक्ष्य

नई दिल्ली। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप की वाणिज्यिक एरोस्पेस विनिर्माण इकाई को वित्त वर्ष 2032 तक सालाना कम से कम 15 से 20 फीसदी बढ़ोतरी की उम्मीद है। इसका कारण यह है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच मांग मजबूत बनी हुई है और उत्पादन स्थिर बना हुआ है। इकाई के कार्यकारी उपाध्यक्ष और कारोबार प्रमुख मानेक बेहरामकामदीन ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समूह के वाणिज्यिक एरोस्पेस कारोबार ने वित्त वर्ष 2026 में 435 करोड़ रुपए का कुल राजस्व हासिल किया और यह इकाई कोविड-19 के बाद से राजस्व में हर साल 30 फीसदी की बढ़ोतरी कर रही है। कंपनी अब अपना खुद का डिजाइन प्लेटफार्म बना रही है, विशेष रूप से सर्वो एक्चुएटर और इलेक्ट्रोमैकेनिकल एक्चुएटर जैसे पुर्जों के लिए। वह बिल्ड-टु-प्रिंट विनिर्माता से डिजाइन-आधारित कंपनी बनने के लिए मूल्य श्रृंखला में बढ़ने पर विचार कर रही है।

पश्चिम एशिया में सुलह की उम्मीद से उछला शेयर बाजार, निवेशकों ने कमाए 6.51 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में शांति होने की उम्मीद के कारण शेयर मार्केट में जबरदस्त तेजी का माहौल बनता हुआ नजर आया। कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इन दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट आ गई। दोपहर करीब एक बजे तक बाजार में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा होर्मुज स्ट्रेट में मालवाहक जहाजों को सुरक्षा देनेवाले नौसैनिक अभियान प्रोजेक्ट फ्रीडम को अस्थाई रूप से रोकने का ऐलान करने के बाद बाजार में एक बार फिर तेजी आ गई। ट्रंप के इस ऐलान के बाद अमेरिका और ईरान के बीच सुलह होने की उम्मीद बन गई, जिससे कच्चे तेल की कीमत में भी जोरदार गिरावट का रुख बना। इससे शेयर बाजार के सेंटीमेंट्स में जबरदस्त सुधार हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.22 प्रतिशत और निफ्टी 1.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। दिन भर के कारोबार के दौरान ज्यादातर सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। बैंकिंग, आटोमोबाइल और हेल्थकेयर सेक्टर में जम कर खरीदारी होती रही। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, टेक आयल एंड गैस, मेटल, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, कैपिटल गुड्स और आईटी इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, एफएमसीजी और पावर इंडेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। ब्राडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 1.76 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मालकैप इंडेक्स ने 1.93 प्रतिशत की तेजी के साथ कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टाक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े छह करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 473.02 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 466.51 लाख करोड़ रुपये

था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 6.51 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,394 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,862 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,365 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 167 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,967 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,230 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 737 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 21 शेयर बढ़त के साथ और नौ शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 35 शेयर हरे निशान में और 15 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 406.57 अंक की मजबूती के साथ 77,424.36 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक 657.22 अंक उछल कर 77,675.01 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली शुरू हो गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर एक बजे के करीब सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से 901.76 अंक टूट कर 244.54 अंक की कमजोरी के साथ 76,773.25 अंक के स्तर तक गिर गया।

इसके बाद पश्चिम एशिया में सुलह होने की उम्मीद और कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आने की खबर आने के बाद बाजार में एक बार फिर उत्साह का माहौल बन गया, जिसकी वजह से खरीदारों ने चौतरफा लिवाली शुरू कर दी। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक निचले स्तर से 1,249.53 अंक की छलांग लगा कर 1,004.99 अंक की तेजी के साथ 78,022.78 अंक के स्तर तक आ गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे फिसल कर 940.73 अंक की बढ़त के साथ 77,958.52 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 138.20 अंक उछल कर 24,171 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक 218.05 अंक उछल कर 24,250.85 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट का रुख बन गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर एक बजे के करीब यह सूचकांक ऊपरी स्तर से 252.95 अंक लुढ़क कर 34.90 अंक की कमजोरी के साथ 23,997.90 अंक के स्तर तक आ गया।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। सोने के भाव में 400 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 440 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट आई है। इसी तरह चांदी 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया है। कीमत में गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,49,170 रुपये से लेकर 1,50,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,36,740 रुपये से लेकर 1,38,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु शुरुआती कारोबार के दौरान 2,54,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,49,320 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,49,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,49,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,50,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,38,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,49,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,36,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,49,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,36,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,36,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

हीरो मोटोकार्प को मार्च 2026 तिमाही में मजबूत बिक्री से हुई मोटी कमाई

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकार्प ने मार्च 2026 तिमाही में मजबूत बिक्री के दम पर कंपनी का कंसोलिडेटेड शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 26 फीसदी बढ़कर 1,473.92 करोड़ रुपए हो गया। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 1,168.75 करोड़ था। कंपनी की आय भी बढ़ी है। मार्च तिमाही में आपरेशंस से कंसोलिडेटेड रेवेन्यू बढ़कर 12,978.28 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 9,969.81 करोड़ था। तिमाही में कंपनी ने 17.14 लाख वाहनों की बिक्री की, जो पिछले साल के मुकाबले 24 फीसदी ज्यादा है। वहीं, कुल खर्च बढ़कर 11,295.53 करोड़ हो गया, जो पिछले साल 8,750.13 करोड़ था। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का कंसोलिडेटेड शुद्ध मुनाफा बढ़कर 5,775.7 करोड़ रहा, जबकि 2025 में यह 4,375.81 करोड़ रुपए था। वहीं, पूरे साल का रेवेन्यू 47,411.24 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वित्त वर्ष में 40,923.42 करोड़ रुपए था।

डेरिवेटिव्स में एनएसई की लीडरशिप और मजबूत हुई, मार्केट शेयर की रफ़्तार बनी रही

एनएसई ने कहा-अप्रैल में एक्सपायरी डे की छुट्टियों की वजह से वाल्यूम में आई गिरावट

नई दिल्ली/मुंबई

नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) ने इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में अपनी लीडरशिप को फिर से साबित किया है। एनएसई की नेतृत्व प्रदर्शन का मूल्यांकन प्रीमियम टर्नओवर के आधार पर किया जाता है, जो एक उद्योग संबंधी मानक पैमाना है और असल आर्थिक गतिविधियों को दिखाता है।

नेशनल स्टाक एक्सचेंज ने 2026 की पहली तिमाही में साफ तौर पर ऊपर की ओर जाने का रुझान दिखाया है। इसके इंडेक्स आप्शंस का मार्केट शेयर जनवरी में 66.7 फीसदी से लगातार बढ़कर मार्च में 72.1 फीसदी हो गया। ये 540 बेसिस पाइंट्स की बढ़ोतरी है, जो इसके अंदरूनी मजबूत ग्रोथ की रफ़्तार को दिखाता है। अप्रैल के महीने में जब छुट्टियों की वजह से बाजार में उतार-चढ़ाव था, तब भी एनएसई ने इंडेक्स आप्शंस में 62.9 फीसदी और कुल एफएंडओ प्रीमियम टर्नओवर में 86.8 फीसदी का दबदबा वाला शेयर बनाए रखा, जो बाजार में उसकी लगातार लीडरशिप को दिखाता है। कंपनी ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि मंगलवार को पड़ने वाली मार्केट छुट्टियों की वजह से अप्रैल में फ्यूचर्स और आप्शंस (एफएंडओ) सेगमेंट में ट्रेडिंग वाल्यूम पर असर पड़ा। कंपनी के मुताबिक दो अहम हफ्तावार एक्सपायरी सेशन, जो ट्रेडिंग वाल्यूम के लिए बहुत जरूरी होते हैं। इसमें मंगलवार को छुट्टियों की वजह से नहीं हो पाए, क्योंकि मंगलवार को एनएसई के मुख्य निफ्टी कान्ट्रैक्ट्स की एक्सपायरी होती है।

इसके उलट गुरुवार को एक्सपायर होने वाले प्रतिद्वंद्वी कान्ट्रैक्ट्स पर कोई असर नहीं पड़ा, जिससे रिपोर्ट की गई गतिविधि में कुछ समय के लिए असंतुलन पैदा हो गया, इसमें बड़ा रुझान बाजार की स्थिति में सुधार और मज़बूती का संकेत देता है। नोशनल गणनाएं इंडेक्स की ऊंची कीमतों की वजह से प्रतिद्वंद्वियों के शेयर को कृत्रिम रूप से बढ़ा देती हैं, जिससे 19 फीसदी पाइंट्स तक का अंतर आ जाता है। इसके विपरीत, प्रीमियम टर्नओवर वैश्विक बेहतरीन तरीकों के अनुरूप है और सेबी जैसे रेगुलेटरों और संस्थागत निवेशकों द्वारा इसका उपयोग किया जाता है। एक्सचेंज के मुताबिक एनएसई की लीडरशिप की स्थिति साफ बनी हुई है और इसकी बाजार स्थिति मजबूत है, विकास की रफ़्तार बरकरार है, और उतार-चढ़ाव ज़्यादातर तकनीकी है। एक्सचेंज भारत के डेरिवेटिव्स बाजार पर अपना दबदबा बनाए हुए है, जिसे गहरी लिक्विडिटी, संस्थागत विश्वास और संरचनात्मक रूप से मज़बूत पैमानों का समर्थन प्राप्त है।

ईरान-अमेरिका जंग थमने की उम्मीद से 97 डालर तक फिसला ब्रेंट क्रूड

नई दिल्ली

अमेरिका की ओर से आपरेशन एपिक फ्यूरी खत्म करने और नौसैनिक अभियान प्रोजेक्ट फ्रीडम को अस्थाई रूप से रोकने का ऐलान करने के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 11 प्रतिशत फिसल कर 97.08 डालर प्रति बैरल के स्तर तक गिर गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 13.31 प्रतिशत तक टूट कर 88.66 डालर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने व्हाइट हाउस में रिपोर्टर्स को बताया था कि अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर बमबारी शुरू करने के 66 दिन बाद आपरेशन एपिक फ्यूरी खत्म हो गया है, क्योंकि अमेरिका ने इस आपरेशन का मकसद हासिल कर लिया है। इसके साथ ही अमेरिका ने पश्चिम एशिया में एक बार फिर एक्टिव युद्ध शुरू होने की उम्मीद को काफी कम बताया। इसी तरह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

ने अपने ट्रुथ सोशल पोस्ट के जरिए बताया कि होर्मुज स्ट्रेट से जहाज को निकालने की अमेरिकी कोशिश रोक दी जाएगी। हालांकि इसी पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में नेवी की नाकाबंदी जारी रहेगी।

पश्चिम एशिया में शांति होने की उम्मीद की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में नरमी का रुख बन गया। ब्रेंट क्रूड ने 2.12 डालर प्रति बैरल की गिरावट के साथ 107.75 डालर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। हालांकि थोड़ी देर में ही ब्रेंट उछल कर 108.91 डालर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज स्ट्रेट में मालवाहक जहाजों को सुरक्षा देने वाले नौसैनिक अभियान प्रोजेक्ट फ्रीडम को अस्थाई रूप से रोकने का ऐलान कर कच्चे तेल की कीमत में और नरमी ला दी। इस नरमी के कारण ब्रेंट क्रूड 97.08 डालर प्रति बैरल के स्तर तक गिर गया। हालांकि इसके बाद इसके भाव में थोड़ी तेजी भी आई। भारतीय समय के मुताबिक शाम छह बजे तक का कारोबार होने के बाद ब्रेंट क्रूड 102.60 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने 2.40 डालर प्रति बैरल लुढ़क कर 99.87 डालर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। थोड़ी देर में ही यह बढ़ कर 102.70 डालर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद प्रोजेक्ट फ्रीडम के अस्थाई रूप से रोके जाने की खबर आने के बाद डब्ल्यूटीआई क्रूड टूट कर 88.66 डालर प्रति बैरल के स्तर तक आ गया। इस गिरावट के बाद इसके भाव में भी तेजी का रुख बना। भारतीय समय के मुताबिक शाम छह बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 92.63 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर पश्चिम एशिया में युद्ध पूरी तरह समाप्त हो जाता है और होर्मुज स्ट्रेट का रास्ता पूरी तरह से खुल भी जाता है, तब भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में बड़ी गिरावट आने की संभावना कम है। टीएनवी फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ तारकेश्वर नाथ वैष्णव का कहना है कि पश्चिम एशिया में शांति होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत गिरकर 80 से 85 डालर प्रति बैरल के स्तर तक आ सकती है। हालांकि इसकी कीमत युद्ध शुरू होने के पहले के स्तर तक यानी 60 से 70 डालर प्रति बैरल के स्तर तक आने में समय लग सकता है। इसकी एक बड़ी वजह पश्चिम एशिया की जंग के दौरान बमबामी की वजह से हुई आयल इंफ्रास्ट्रक्चर की बड़े पैमाने पर हुई तबाही है।

तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में भारत का निराशाजनक प्रदर्शन, पदक से चूकीं पुरुष और महिला टीमें

शंघाई

तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में भारत की पुरुष और महिला कंपाउंड टीमें उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकीं। मजबूत दावेदार मानी जा रही दोनों टीमों ने निर्णायक मौकों पर निराशाजनक प्रदर्शन किया।

सबसे बड़ा झटका महिला टीम को लगा, जिसने पिछले महीने मैक्सिको में आयोजित पहले चरण में भारत को एकमात्र स्वर्ण पदक दिलाया था। ज्योति सुरेखा वेन्नम, प्रगति और अदिति स्वामी की तिकड़ी क्वार्टर फाइनल में तुर्की से 227-233 से हारकर बाहर हो गई।

भारतीय महिला टीम तुर्की की हज़ाल बुरुन, डेफने चाकमाक और एमिने राबिया ओगुज़ की निरंतरता का मुकाबला नहीं कर सकी, जिन्होंने दूसरे एंड से बढ़त बनाकर मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी।

पुरुष टीम ने सेमीफाइनल तक पहुंचकर उम्मीद जगाई, लेकिन वहां भी दबाव में प्रदर्शन नहीं कर सकी। ओजस देवताले, साहिल जाधव और कुशल दलाल की टीम को कांस्य पदक मुकाबले में चीन के खिलाफ शूट-आफ में हार का सामना करना पड़ा।

कांस्य पदक मुकाबले में दोनों टीमों का स्कोर 234-234 से बराबर रहा। शूट-आफ में भी दोनों टीमों ने तीन-तीन सटीक निशाने लगाए, लेकिन चीन के दो तीर केंद्र के अधिक करीब रहे, जबकि भारत का केवल एक तीर केंद्र के करीब था, जिससे चीन ने मुकाबला जीत लिया।

मुकाबले के मध्य तक भारत 118-117 से आगे था, लेकिन चीन ने वापसी करते हुए तीसरे एंड में स्कोर बराबर कर लिया। अंतिम एंड में भी दोनों टीमों ने 58-58 का स्कोर किया, लेकिन भारतीय टीम ने दबाव में महत्वपूर्ण अंक गंवा दिए। सेमीफाइनल में भारत को अमेरिका के खिलाफ 234-235 से करीबी हार झेलनी पड़ी। शुरुआती तीन एंड तक बढ़त बनाए रखने के बावजूद भारतीय टीम अंतिम चरण में पिछड़ गई। इन लगातार हारों ने एक बार फिर दिखाया कि भारतीय टीम निर्णायक मौकों पर दबाव संभालने में संघर्ष कर रही है, जो आगामी एशियाई खेलों से पहले चिंता का विषय है। चार महीने बाद जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों से पहले यह प्रदर्शन टीम की तैयारियों पर सवाल खड़े करता है। विदेशी कोच की कमी और ठोस योजना के अभाव का असर अब साफ दिखने लगा है।

न्यूज ब्रीफ

कालेज स्पोर्ट्स के लिए 18-19 मई को ट्रायल सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम मुरादाबाद में

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के स्पोर्ट्स कालेजों में सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है।

मुरादाबाद मंडल के खिलाड़ियों के लिए चयन/ट्रायल्स का आयोजन 18 व 19 मई को नेताजी सुभाष चंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम रामगंगा विहार मुरादाबाद में किए जाएंगे। गुरु गोविन्द सिंह स्पोर्ट्स कालेज लखनऊ, वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कालेज गोरखपुर, मेजर ध्यानचंद्र स्पोर्ट्स कालेज सैफई, स्पोर्ट्स कालेज फतेहपुर व स्पोर्ट्स कालेज सहारनपुर में कक्षा 6, 9 व 11 में कुल 518 संभावित सीटों पर प्रवेश होगा। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया आनलाइन शुरू हो चुकी है। क्रीड़ा अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बुधवार को बताया कि अभ्यर्थी खेल साथी पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को आवेदन शुल्क 200 रुपये जमा करना होगा। उन्होंने बताया कि आवेदन करते समय यूडाइस पोर्टल द्वारा जारी पेन (परमानेंट एजुकेशन नंबर) भरना अनिवार्य है। बिना पेन नंबर के आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा ।

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैंटिनो ने विश्व कप 2026 के टिकटों की ऊंची कीमतों का किया बचाव

बेवर्ली हिल्स। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैंटिनो ने मंगलवार को विश्व कप 2026 के टिकटों की बढ़ती कीमतों का बचाव करते हुए कहा कि वैश्विक फुटबाल संस्था अमेरिकी कानूनों का लाभ उठाने के लिए बाध्य है, जो टिकटों को मूल कीमत से कई गुना अधिक पर पुनः बेचने की अनुमति देते हैं। विश्व कप टिकटों की कीमतों को लेकर फीफा की तीखी आलोचना हो रही है। प्रशंसक संगठन फुटबाल सपोर्टर्स यूरोप (एफएसई) ने इस मूल्य निर्धारण को अत्यधिक और विश्वासघात करार दिया है। एफएसई ने मार्च में यूरोपीय आयोग में फीफा के खिलाफ अत्यधिक टिकट कीमतों को लेकर मुकदमा भी दायर किया था। फीफा के आधिकारिक पुनर्विक्रय मंच फीफा मार्केटप्लेस पर पिछले सप्ताह 19 जुलाई को न्यूयार्क में होने वाले फाइनल मुकाबले के चार टिकटों की कीमत 20 लाख डालर से अधिक प्रति टिकट बताई गई थी। मिल्केन संस्थान ग्लोबल सम्मेलन में बोलते हुए इन्फैंटिनो ने कहा कि इतनी ऊंची कीमतें विश्व कप देखने की भारी मांग को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा, अगर कुछ लोग फाइनल के टिकट 20 लाख डालर में बेचने के लिए डालते हैं, तो इसका मतलब यह नहीं कि टिकट की असली कीमत इतनी है, और यह भी जरूरी नहीं कि कोई उन्हें ह्रखरीदे। इन्फैंटिनो ने मजाकिया अंदाज में कहा, अगर कोई 20 लाख डालर में टिकट खरीदता है, तो मैं खुद उसे हाट डाग और कोक दूंगा, ताकि उसका अनुभव शानदार रहे। प्रशंसक समूहों ने 2022 कतर विश्व कप और 2026 विश्व कप के टिकटों की कीमतों की तुलना करते हुए भारी अंतर पर सवाल उठाए हैं। 2022 में फाइनल का सबसे महंगा टिकट लगभग 1600 डालर था, जबकि 2026 में इसकी मूल कीमत करीब 11,000 डालर तक पहुंच गई है। इन्फैंटिनो ने इन कीमतों को उचित ठहराते हुए कहा कि यह बाजार की स्थिति के अनुरूप है।

विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप में भारत की निराशाजनक हार, आस्ट्रिया ने 3-0 से हराकर किया टूर्नामेंट से बाहर

लंदन। आईटीटीएफ विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप फाइनल्स में भारतीय पुरुष टीम का अभियान प्री-क्वार्टर चरण (अंतिम 32) में समाप्त हो गया। मंगलवार को खेले गए मुकाबले में आस्ट्रिया ने भारत को 3-0 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। करीब 1 घंटा 34 मिनट तक चले इस मुकाबले में भारत की ओर से मानुष शाह ने संघर्षपूर्ण प्रदर्शन किया, जबकि मानव ठक्कर और साथियान ज्ञानसेकरन अपने-अपने मैच आसानी से हार गए। मुकाबले की शुरुआत मानुष शाह ने राबर्ट गार्डोस के खिलाफ की। उन्होंने पहला गेम 11-6 से जीता, लेकिन इसके बाद 7-11 और 3-11 से अगले दो गेम गंवा दिए। चौथे गेम में 11-8 से वापसी करते हुए मैच निर्णायक गेम तक पहुंचाया, जहां उन्हें कड़े मुकाबले में 11-13 से हार का सामना करना पड़ा। यह मैच कुल 46 मिनट तक चला। इसके बाद भारत 0-1 से पीछे हो गया और अगले दोनों मुकाबलों में भी टीम को निराशा हाथ लगी।

आईपीएल के प्लेआफ और फाइनल की मेजबानी न मिलने से केएससीए निराश, बीसीसीआई के फैसले पर उठे सवाल

बेंगलुरु

इंडियन प्रीमियर लीग के प्लेआफ और फाइनल मुकाबलों की मेजबानी से वंचित रहने पर कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) ने गहरी निराशा व्यक्त की है। साथ ही, भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) के स्थल चयन को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

केएससीए ने बुधवार को जारी अपने विस्तृत बयान में कहा कि उसने एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में प्लेआफ मैचों की मेजबानी के लिए अपनी तैयारी, इच्छा और गहरी रुचि औपचारिक रूप से बीसीसीआई को बताई थी। संघ के अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद ने इस संबंध में व्यक्तिगत रूप से भी बोर्ड से बातचीत की थी। बयान में कहा गया कि आईपीएल प्लेआफ मैच अन्य केंद्रों को आवंटित किए जाने से केएससीए निराश है। संघ ने यह भी रेखांकित किया कि इस सीजन बेंगलुरु में आयोजित पांच लीग मुकाबले सफलतापूर्वक संपन्न हुए, जिनकी संचालन व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन और दर्शकों के अनुभव की व्यापक सराहना हुई।

गौरतलब है कि बीसीसीआई ने इस बार प्लेआफ मुकाबले धर्मशाला और मुल्लांपुर में आयोजित करने का फैसला लिया है, जबकि फाइनल अहमदाबाद में होगा। पिछले पांच संस्करणों में यह चौथी बार है, जब फाइनल अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा। परंपरा के अनुसार इस बार फाइनल बेंगलुरु में होने की उम्मीद थी, खासकर क्योंकि रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु मौजूदा चैंपियन है।

बीसीसीआई ने अपने फैसले का कारण बताते हुए कहा था कि कुछ परिचालन और लाजिस्टिक कारणों के चलते इस बार प्लेआफ तीन अलग-अलग स्थानों पर आयोजित किए जा रहे हैं। साथ ही यह भी कहा गया कि स्थानीय संघ और प्रशासन की कुछ आवश्यकताएं बोर्ड के तय दिशा-निर्देशों के अनुरूप नहीं थीं।

हालांकि, केएससीए ने स्पष्ट किया कि उसका बोर्ड को भेजा गया संचार पूरी तरह तथ्यात्मक और संचालन संबंधी था, जिसका उद्देश्य केवल पारदर्शिता और स्पष्टता बनाए रखना था। संघ ने यह भी बताया कि बेंगलुरु में आईपीएल 2008 से ही एक समान संचालन व्यवस्था लागू रही है, जिसे इस सीजन भी अपनाया गया। बयान में आगे कहा गया, हमारी पूरी तैयारी और इच्छा के बावजूद बीसीसीआई ने अन्य स्थानों को चुना है। हालांकि इसके पीछे के कारण हमें औपचारिक रूप से नहीं बताए गए हैं, लेकिन हम बोर्ड के निर्णय और अधिकार का सम्मान करते हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ के बाद चिन्नास्वामी स्टेडियम में कोई मैच नहीं हुआ था। लेकिन इस सीजन से पहले सरकारी एजेंसियों द्वारा सुरक्षा समीक्षा के बाद इसे मैचों की मेजबानी के लिए मंजूरी मिल गई थी। बीसीसीआई ने इस मैदान को भविष्य के अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की भी मेजबानी सौंपी है। इस सीजन बेंगलुरु में आयोजित पांच लीग मुकाबले सफल रहे, हालांकि राज्य सरकार द्वारा विधायकों के लिए वीआईपी टिकट की मांग के चलते कुछ व्यवस्थागत चुनौतियां सामने आई थीं। केएससीए ने अंत में कहा कि वह भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के बड़े मुकाबलों की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है और बीसीसीआई सहित सभी संबंधित पक्षों को पूरा सहयोग देता रहेगा।

एमपीएस हाट वेदर क्रिकेट टूर्नामेंट में माडर्न पब्लिक स्कूल की टीम बनी चैम्पियन

मुरादाबाद

दिल्ली रोड स्थित माडर्न पब्लिक स्कूल में बुधवार को एमपीएस हाट वेदर क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला एमपीएस बनाम आरएसडी एकेडमी के मध्य खेला गया। माडर्न पब्लिक स्कूल ने जीत दर्ज की। माडर्न पब्लिक स्कूल के यश व्यास को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी व श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब दिया गया।

आयोजन सचिव शाहवेज अली ने बताया कि एमपीएस बनाम आरएसडी एकेडमी के बीच शानदार मुकाबला हुआ, जिसमें आर एस डी एकेडमी के टीम ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और दस ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 55 रनों का लक्ष्य दिया। जवाब में उतरी माडर्न पब्लिक स्कूल की टीम ने कुल 3.3 ओवर में लक्ष्य की प्राप्ति कर चैम्पियंस ट्राफी अपने नाम की।

माडर्न पब्लिक स्कूल के यश व्यास को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी व श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब दिया गया। सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज आर. एस डी एकेडमी के आरुष शर्मा को दिया गया जिन्होंने पूरी प्रतियोगिता में सबसे अधिक विकेट लिए , फाइनल मैच का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज माडर्न पब्लिक स्कूल के अयान सुधाकर को दिया गया, माडर्न पब्लिक स्कूल के केशव ठाकुर को उभरते हुए खिलाड़ी का खिताब दिया गया।

प्रतियोगिता का समापन समारोह मुख्य अतिथि सऊद आलम व प्रधानाचार्य शकील अहमद ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल व प्रमाण पत्र और विजेता टीम को 5000 और उपविजेता टीम को 2500 नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। आयोजन मंडल में शाहवेज़ अली, आर पी सिंह, सावन देओल, नासिर हुसैन व कीर्ति पाल आदि उपस्थित रहे।

22वीं कामनवेल्थ टेबल टेनिस चैंपियनशिप का ऐलान, 27 जुलाई से 02 अगस्त तक

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दिल्ली सचिवालय में 22वीं कामनवेल्थ टेबल टेनिस चैम्पियनशिप 2026 का आधिकारिक ऐलान किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली अब खेलों के वैश्विक मंच पर अपनी नई पहचान दर्ज कराने जा रही है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि 27 जुलाई से 02 अगस्त तक त्यागराज स्टेडियम में आयोजित होने वाली इस प्रतिष्ठित चैम्पियनशिप में इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और मलेशिया सहित 35 से अधिक कामनवेल्थ देशों के खिलाड़ी भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि यह चैम्पियनशिप दिल्ली की आधुनिक खेल सुविधाओं, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और विश्वस्तरीय आयोजन क्षमता को दुनिया के सामने प्रदर्शित करेगी। इस अवसर पर दिल्ली के खेल मंत्री आशीष सूद सहित कामनवेल्थ टेबल टेनिस फेडरेशन और टेबल टेनिस फेडरेशन आफ इंडिया के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री आशीष सूद ने कहा कि 22वीं कामनवेल्थ टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में 35 से अधिक राष्ट्रमंडल देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। यह प्रतिष्ठित आयोजन दिल्ली के विश्व-स्तरीय खेल बुनियादी ढांचे को प्रदर्शित करेगा और ओलंपिक में उत्कृष्टता हासिल करने के हमारे विजन 2036 को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में हम खेलों को बढ़ावा देने और वैश्विक आयोजनों की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

गगन नारंग और अन्नू राज सिंह के प्रोजेक्ट अमरजीत में देशभर के निशानेबाजों को मिलेगा मुफ्त प्रशिक्षण

नई दिल्ली

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और चार बार के ओलंपियन गगन नारंग ने अपनी पत्नी और ओलंपियन अन्नू राज सिंह के साथ मिलकर प्रोजेक्ट अमरजीत की शुरुआत की है। यह पहल देश के हर निशानेबाज, कोच और अकादमी के लिए मुफ्त कोचिंग, मेंटरिंग और मार्गदर्शन उपलब्ध कराएगी। इस पहल की शुरुआत 6 मई को गगन नारंग के जन्मदिन के अवसर पर की गई, जिसे उन्होंने अपने जीवन का सबसे खास दिन बताया।

प्रोजेक्ट अमरजीत का नाम गगन नारंग की माता अमरजीत के नाम पर रखा गया है, जिसका अर्थ है जिसकी जीत कभी समाप्त न हो। गगन नारंग ने कहा कि यह पहल केवल उनकी मां को समर्पित नहीं है, बल्कि उन सभी माताओं के लिए है जो अपने बच्चों के सपनों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा, यह पहल उन सभी माताओं को समर्पित है, जो अपने बच्चों के लिए हर संभव प्रयास करती हैं। प्रोजेक्ट अमरजीत के माध्यम से हम खेल के जरिए समाज को कुछ वापस देना चाहते हैं।

इस पहल के तहत तीन प्रमुख कार्यक्रम चलाए जाएंगे—उड़ान, प्रतिभा और दिशा। उड़ान कार्यक्रम के अंतर्गत 3 से 5 दिन का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें गगन नारंग और अन्नू राज सिंह खुद प्रतिभागियों के पास जाकर प्रशिक्षण देंगे। प्रतिभा कार्यक्रम प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए दीर्घकालिक व्यक्तिगत मेंटरिंग पर आधारित होगा। दिशा कार्यक्रम कोच, अकादमियों और अभिभावकों को मार्गदर्शन प्रदान करेगा। ये सभी कार्यक्रम ग्रासरूट, इंटरमीडिएट और एलीट स्तर पर उपलब्ध होंगे और देश के किसी भी हिस्से से जुड़े लोग इसमें भाग ले सकेंगे। आवेदन की समीक्षा स्वयं गगन नारंग और अन्नू राज सिंह करेंगे।

अन्नू राज सिंह ने कहा, मैंने अपने करियर की कई कठिनाइयों का सामना खुद किया है। मैं चाहती हूं कि आने वाले खिलाड़ियों को वह संघर्ष न करना पड़े। इसी सोच के साथ इस पहल की शुरुआत की गई है।

इस परियोजना के संचालन के लिए साथी, सहयोग और समर्पण माडल अपनाया गया है, जिसके तहत विशेषज्ञ, संस्थान और आम लोग योगदान दे सकेंगे। सभी आर्थिक सहयोग गगन नारंग स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउंडेशन के माध्यम से लिया जाएगा, जो एक पंजीकृत गैर-सरकारी संगठन है और दानदाताओं को आयकर अधिनियम की धारा 80जी के तहत छूट भी प्रदान की जाएगी। जहां आवेदकों के पास अपनी शूटिंग रेंज होगी, वहां यह कार्यक्रम सीधे पहुंचेगा, और जहां सुविधा नहीं होगी, वहां रेंज पार्टनर नेटवर्क के माध्यम से व्यवस्था की जाएगी। गन फार ग्लोरी अकादमी इस पहल की प्रमुख साझेदार है। इसके अलावा, इस परियोजना के तहत खिलाड़ियों को वित्तीय साक्षरता, पोषण, खेल विज्ञान, डोपिंग विरोधी शिक्षा, मानसिक मजबूती और फिटनेस जैसे विषयों पर आनलाइन और आफलाइन प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

पहली बार महिला टी-20 विश्व कप खेलेगा नीदरलैंड, बाबेट डी लिडे होंगी कप्तान

नई दिल्ली

नीदरलैंड ने जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले अपने पहले महिला टी-20 विश्व कप के लिए टीम की घोषणा कर दी है। इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट में बाबेट डी लिडे टीम की कप्तानी करेंगी। बाबेट डी लिडे अपने परिवार की विरासत को आगे बढ़ा रही हैं। उनके चाचा टिम डी लिडे और चचेरे भाई बास डी लिडे पुरुष विश्व कप में नीदरलैंड का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। कप्तान बाबेट डी लिडे ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हम अपने पहले आईसीसी टी20 विश्व कप को लेकर बेहद उत्साहित हैं। यह दुनिया की बेहतरीन टीमों के खिलाफ खेलने और बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का शानदार अवसर है। हम उम्मीद करते हैं कि हम अपने देश को गर्व महसूस कराएंगे और नीदरलैंड में युवा लड़कियों को प्रेरित करेंगे। उन्होंने आगे कहा, टूर्नामेंट हमारे घर के करीब इंग्लैंड में हो रहा है, इसलिए हमें बड़ी संख्या में समर्थकों का समर्थन मिलने की उम्मीद है। यह हमारे लिए ही नहीं, बल्कि हमारे परिवार और

दोस्तों के लिए भी जीवनभर का अनुभव होगा।

नीदरलैंड टीम - बाबेट डी लिडे (कप्तान), कैरोलिन डी लैंगे, फ्रेडरिक ओवरडाइक, हन्नाह लैंडहीयर, हीदर सीगर्स, आइरिस ज्विलिंग, इसाबेल वान डेर वोनिंग, लारा लीमहुइस, मिथें वान डेन राड, फीबे मोल्केनबोअर, रोबिन राइके, रोजाली लारेंस, सान्या खुराना, सिल्वर सीगर्स, स्टेरे कैलिस।

आर्सेनल ने एटलेटिको मैड्रिड को हराकर 20 साल बाद चैंपियंस लीग फाइनल में बनाई जगह

लंदन। आर्सेनल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एटलेटिको मैड्रिड को 1-0 से हराकर 20 साल बाद चैंपियंस लीग फाइनल में प्रवेश कर लिया। घरेलू मैदान एमिरेट्स स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल के दूसरे चरण में बुकायो साका के पहले हाफ के अंत में किए गए गोल ने टीम को जीत दिलाई। पहले चरण में 1-1 से ड्रा खेलने के बाद आर्सेनल ने कुल मिलाकर 2-1 से मुकाबला अपने नाम किया। अब फाइनल में उसका सामना पेरिस सेंट-जर्मेन या बायर्न म्यूनिख से होगा, जो 30 मई को बुडापेस्ट में खेला जाएगा। आर्सेनल के लिए यह ऐतिहासिक उपलब्धि है, क्योंकि टीम 2006 के बाद पहली बार चैंपियंस लीग के फाइनल में पहुंची है। उस समय उसे बार्सिलोना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। क्लब अब तक इस प्रतिष्ठित खिताब को जीत नहीं सका है। मैच में आर्सेनल ने संयमित खेल दिखाया। शुरुआती मिनटों में एटलेटिको ने आक्रामक शुरुआत की, लेकिन आर्सेनल ने जल्द ही नियंत्रण हासिल कर लिया। 44वें मिनट में विक्टर ग्योकेरेस के शानदार मूव पर लिएंड्रो ट्रासार्ड ने शाट लगाया, जिसे गोलकीपर ने रोक तो लिया, लेकिन रिबाउंड पर साका ने मौका भुनाते हुए गोल कर दिया। दूसरे हाफ में एटलेटिको ने वापसी की कोशिश की, लेकिन आर्सेनल की मजबूत डिफेंस और गोलकीपर ने उन्हें सफल नहीं होने दिया। कोच मिकेल आर्टेटा के नेतृत्व में आर्सेनल इस सीजन शानदार फार्म में है और अब प्रीमियर लीग के साथ चैंपियंस लीग खिताब जीतने की दहलीज पर खड़ा है। टीम अपने अंतिम तीन लीग मैच जीतकर खिताब भी अपने नाम कर सकती है।

फोन को ऐसे बनाएं अपने कंप्यूटर का माइक्रोफोन

कंप्यूटर से वीडियो या वॉयस चैट का शौक रखते हैं मगर महंगे माइक्रोफोन की वजह से अपने शौक का गला घोट देते हैं। जबकि आप अपने फोन को कंप्यूटर का माइक्रोफोन बना सकते हैं। इसके लिए गूगल प्ले स्टोर से एप डाउनलोड करना होगा। आइए जानते हैं कैसे करें इस्तेमाल...

फोन और कंप्यूटर में इंस्टॉल हो एप : कंप्यूटर में यह फीचर पाने के लिए फोन में डग ख्रद्वद एप और कंप्यूटर में 'वो माइक' ड्राइवर इंस्टॉल करना जरूरी होगा। ध्यान रहे कि इस ड्राइवर को कंप्यूटर में इंस्टॉल करते समय इंटरनेट कनेक्शन का होना जरूरी है। इसके बाद फोन को कंप्यूटर से कनेक्ट करने के लिए दो तरीकों का प्रयोग किया जा सकता है।

यूएसबी से ऐसे करें कनेक्ट : पहले मिक एप को खोलें उसके बाद एप की सेटिंग के विकल्प में जाएं। यहां आपको ट्रांसपोर्ट का विकल्प मिलेगा। इसमें दिए गए यूएसबी विकल्प का चुनाव करें। हालांकि इसमें यूएसबी डिबगिंग का फीचर ऑन रखें जिसे फोन की सेटिंग में जाकर ऑन करना होता है। इसके बाद दोबारा होम स्क्रीन पर आएं और अपने फोन को यूएसबी से कंप्यूटर से कनेक्ट करें। इसके बाद कंप्यूटर में मौजूद वो माइक सॉफ्टवेयर खोलें जिसमें तीन तीन विकल्प दिखाई देंगे और उनमें से 'कनेक्शन' विकल्प पर क्लिक करें। कनेक्शन के बाद यूएसबी का विकल्प आएगा, उसका चुनाव कर 'ओके' बटन दबा दें। कुछ सेकेंड इंतजार करने के बाद आप अपने एंड्रॉयड फोन का उपयोग कर अपने कंप्यूटर पर रिकॉर्डिंग व चैटिंग कर सकते हैं।

जानें किसी और ने तो नहीं खोल रखा है फ़ेसबुक अकाउंट

फ़ेसबुक यूजर को अक्सर इस बात की चिंता सताती है कि कहीं कोई और तो उनके अकाउंट का इस्तेमाल नहीं कर रहा है। कई बार तो यूजर किसी दूसरे शख्स के कंप्यूटर पर फ़ेसबुक चलाने के बाद अकाउंट से लॉग-आउट करना ही भूल जाते हैं। फ़ेसबुक की 'सेटिंग्स' में इन दोनों ही समस्याओं का हल मौजूद है। यूजर को अपने फ़ेसबुक पेज पर दाईं तरफ ऊपर दिए गए एरो पर क्लिक करना होगा। इससे फ़ेसबुक की 'सेटिंग्स' खुल जाएगी। उसमें जाकर 'सिक्योरिटी' के विकल्प को चुनें। यहां आपको 'वेयर यू आर लॉग्ड-इन' लिखा नजर आएगा। इस पर क्लिक करके आप आसानी से जान सकेंगे कि आपके फ़ेसबुक अकाउंट में कब, किस जगह से कितनी देर के लिए किन-किन सिस्टम के जरिए लॉग-इन किया गया है। अगर आपके अकाउंट में अन्य सिस्टम से भी लॉग-इन किए जाने की जानकारी सामने आती है तो फौरन उसके बगल में दिए 'एंड एक्टिविटी' के विकल्प पर क्लिक कर दें। आपका अकाउंट उस सिस्टम से लॉग-आउट हो जाएगा।

ब्रेन स्ट्रोक : अच्छा है समय पर संभल जाना

ब्रेन स्ट्रोक या ब्रेन अटैक की स्थिति में मरीज को तुरंत इमरजेंसी केयर की जरूरत होती है। बेहतर यही है कि स्वस्थ रहते ही इससे बचे रहने के लिए सही जीवनशैली अपनाई जाए और लक्षण दिखने पर चिकित्सकीय सहायता लेने में देर न की जाए।

यदि मस्तिष्क के किसी भाग में खून का संचार बाधित हो जाए, तो मस्तिष्क के सामान्य कार्यों में बाधा आ जाती है। इस स्थिति को स्ट्रोक या ब्रेन अटैक कहा जाता है। इसमें अर्जेंट मेडिकल अटेंशन की जरूरत होती है। यह स्ट्रोक मस्तिष्क में रक्त का संचार करने वाली किसी रक्तवाहिका में ब्लॉकिज होने से या रक्त का रिसाव होने से हो सकता है।

अलग-अलग प्रकार के स्ट्रोक

जब मस्तिष्क की किसी रक्तवाहिका में खून का थक्का जमने से स्ट्रोक होता है, तो उसे सेरेब्रल थ्रॉम्बोसिस कहते हैं। एक होता है सेरेब्रल हैमरेज यानी जब मस्तिष्क की कोई रक्तवाहिका फट जाती है और आसपास के ऊतकों में खून का रिसाव होने लगता है। इससे एक तो मस्तिष्क के विभिन्ना भागों में खून का प्रवाह कट जाता है। दूसरे, लीक हुआ खून मस्तिष्क पर दबाव डालता है। सेरेब्रल एम्बोलिज्म से भी ब्रेन अटैक आता है।

इस अवस्था में शरीर के किसी अन्य भाग में खून का थक्का बनता है और फिर वह रक्त के बहाव के साथ मस्तिष्क में पहुंच जाता है। इन सभी अवस्थाओं वाले स्ट्रोक का परिणाम एक ही है कि रक्त संचरण बाधित होने से मस्तिष्क को ऑक्सीजन और पोषण मिलना बंद हो जाता है तथा उसमें फैले न्यूरॉन्स तेजी से मरने लगते हैं।

मस्तिष्क के जिस भाग में क्षति हुई है, उससे संबंधित शरीर का अन्य भाग नाकाम हो जाता है, जैसे कि पक्षाघात (पैरालिसिस) हो जाना। इसलिए ब्रेन स्ट्रोक आते ही तुरंत मरीज को चिकित्सकीय सहायता मिलना चाहिए ताकि क्षति कम हो।

जान बचाना पहली प्राथमिकता

तुरंत चिकित्सकीय सहायता में चिकित्सक आवश्यक दवा व अन्य ट्रीटमेंट देंगे। अच्छी नर्सिंग केयर से मरीज की हालत ज्यादा बिगड़ने से बच सकती है। इमरजेंसी ट्रीटमेंट के बाद भी रीहैबिलिटेटिव थैरापीज जैसे फिजियोथैरापी, स्पीच थैरापी आदि की जरूरत होती है। ये सब जान बचाने के बाद की बातें हैं। सडन स्ट्रोक से व्यक्ति की मृत्यु भी हो सकती है।

स्ट्रोक के कारण हुआ नर्व डैमेज स्थायी भी हो सकता है। इसलिए स्वस्थ रहते ही सावधानी रखना, स्वस्थ जीवनशैली अपनाना और लक्षण दिखते ही तुरंत चिकित्सकीय सहायता के लिए पहुंचना जरूरी है।

ब्रेन स्ट्रोक के लक्षण

इन लक्षणों से पहचाना जा सकता है कि व्यक्ति को ब्रेन स्ट्रोक हुआ है:

- शरीर में अचानक बेहद कमजोरी और शरीर का एक तरफ का हिस्सा अशक्त महसूस होना
- बेजान-सा एहसास (नम्बनेस)
- कंपकंपी, ढीलापन, हाथ-पैर हिलाने में नियंत्रण का अभाव
- नजर का धुंधलाना, एक आंख की दृष्टि जाना
- जुबान का अचानक तुतलाने, लड़खड़ाने लगना
- दूसरे क्या कह रहे हैं, यह सहसा समझ न पाना
- जी मितलाना, उल्टी, चक्कर आना
- अचानक गंभीर सिरदर्द
- यदि स्ट्रोक गंभीर है, तो व्यक्ति बेहोश भी हो सकता है।

यूं करें बचाव

स्ट्रोक से बचने के लिए सामान्य जीवनशैली में भी कुछ चीजें याद रखना चाहिए, जैसेः

- सिगरेट न पीना
- ब्लड प्रेशर को नियंत्रण में रखना। समय-समय पर रक्तचाप की जांच कराना व डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाइयों को नियमित रूप से लेना
- वजन बढ़ने न देना
- नमक कम खाना
- हैल्दी डाइट और नियमित व्यायाम
- ब्लड शुगर पर ध्यान देना
- कोलेस्ट्रॉल को न बढ़ने देना।

जीवन में होना है सफल तो इन 5 बातों का रखें पूरा ख्याल

ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं होगा जो जीवन में सफल होना नहीं चाहता। हालांकि सबसे बड़ा सवाल यही है कि ऐसा क्या किया जाए कि सफलता के नज़दीक पहुंचा जा सके। यूनानी विचारक अरस्तू के मुताबिक सफल सब होना चाहते हैं लेकिन उसके लिए सही दिशा में मेहनत कितने लोग करते हैं? हम आज आपको बताने वाले हैं सफलता के वो 5 मंत्र जिन्हें अपना कर आप कुछ ही दिनों में कार्यक्षेत्र में अपना प्रदर्शन सुधार सकते हैं।

टालमटोल को कह दें बाय-बाय

काम टालने की आदत या दूसरे शब्दों में कहे तो आलस आपको असफलता की राह पर ले जाता है। किसी काम को करने के लिए अगर किसी से विचार-विमर्श करना जरूरी है और इस कारण से देर हो रही है, तब तो ठीक है लेकिन काम न करने की वजह ये नहीं है तो काम को तय समय के भीतर करने की आदत डालें। अगर आपका कोई काम करने का मन नहीं है तो उसे करने के लिए हां नहीं कहें और स्पष्ट रूप से उसे नहीं करने की वजह सामने वाले को बता दें।

मैनेजमेंट स्किल पर काम करें

एक मशहूर कंपनी के सीईओ से जब मैनेजमेंट को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने जवाब दिया कि यह दुनिया दो प्रकार के लोगों की है, एक वे जो हर कार्य को पहले से सोच-समझकर और नियोजित तरीके से पूरा करते हैं और दूसरे वो जो काम नहीं करते। इसका मतलब ये कि बिना योजना के काम करना उसे न करने के बराबर है। ऐसे लोगों की जिंदगी हमेशा अव्यवस्थित रहती है। प्लान बनाकर काम करने से न सिर्फ ऑफिस बल्कि पर्नल लाइफ में भी सुधार होता है।

सलाह लेना न भूलें

अपने सहयोगियों या सीनियर्स से सलाह लेने में किसी तरह का संकोच न करें। अगर आपको सलाह लेने में दिक्कत महसूस होती है तो आपको अब सुधर जाना चाहिए। अगर किसी कार्य के संदर्भ में आपको कोई बात समझ नहीं आ रही है या आपके मन में दुविधा उत्पन्न हो रही है तो बेहतर यही होगा कि आप अपने साथियों से सलाह मशविरा कर सकते हैं। हालांकि इस संदर्भ में यह ध्यान रखना बहुत जरूरी है कि सलाह हमेशा ऐसे लोगों से लें जो सही सलाह देते हों। नकारात्मक विचारों वाले लोगों से सलाह लेने से बचें।

असफलता की जिम्मेदारी लें, दोष न दें

समय का दुरुपयोग करना या अपने काम में रुचि न लेना असफलता की राह पर ले जाने वाले कारक हैं। असफल लोगों की यह खास आदत होती है कि वे अपनी असफलता का दोष हमेशा दूसरों पर मढ़ने लगते हैं। कॅरियर काउंसलर्स का कहना है कि किसी भी कार्य में गलती होने या असफल होने पर उसका दोषारोपण दूसरों पर करना ठीक नहीं होता है। कारण, किसी न किसी दिन आपकी पोल खुल ही जाएगी, तब आपके पास किसी भी प्रकार का कोई बहाना नहीं होगा। इसलिए अगर किसी कार्य को पूरा करने में आपसे कोई गलती हुई है तो उसे स्वीकार करने में कोई हर्ज नहीं है।

पॉजिटिव एटीट्यूड होना बेहद ज़रूरी

अगर आप हमेशा नकारात्मक सोचते रहते हैं तो अपनी सोच की दिशा बदलें और हर चीज के बारे में सकारात्मक सोचें। अपने हर दिन की शुरुआत इस सोच के साथ करें कि मुझे अपने कार्य में सफलता अवश्य मिलेगी और आप अपने लिए निर्धारित कार्यों को ईमानदारी से पूरा करेंगे। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि सकारात्मक सोच रखने से आपकी जिंदगी खुशहाल रहती है और आप हमेशा हर हाल में खुश रह सकती हैं। यही नहीं सकारात्मक सोच का असर यह होता है कि विपरीत स्थितियों में भी आप सही निर्णय ले पाती हैं।

नाश्ते में पोहा खाने के हैं अनेको लाभ, जानिए

पोहा इसके बारे में कौन नहीं जानता हैं। यह एक टेस्टी रेसिपी होती हैं। कूटे हुए चपटे चावल को पोहा कहा जाता है। जिसे आसानी से बनाया जा सकता हैं। पोहा में भरपूर मात्रा में आयरन और कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है जो कि आपकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद हैं। साथ ही इसे आसानी से पचाया जा सकता हैं। लेकिन आप ये बात जानते है कि पोहा हमारी सेहत के लिए कितना फायदेमंद हैं। इसका सेवन करने से हमें कई लाभ मिलते है।

अगर आप इसका सेवन ब्रेकफास्ट के समय करेंगे। तो इसका फायदा कई गुना बढ़ जाता हैं। जानिए इसका सेवन करने के **फायदो के बारें में।**

एनीमिया से दिलाएं निजात

पोहा में भरपूर मात्रा में आयरन पाया जाता हैं। जिससे कि शरीर को आयरन और कोशिकाओं को ऑक्सीजन मिलता है। जिसके कारण शरीर में हीमोग्लोबिन और इम्यूनिटी बढ़ती हैं। अगर किसी बच्चे को मां का दूध छुड़वाना है, तो उसे नरम पोहा खिलाना शुरु कर सकते हैं। इससे उसे पोष्ण भी मिलेगा।

भरपूर मात्रा में पोषक तत्व

पोहा में अधिक मात्रा में सब्जियां इस्तेमाल की जाती है। जिसके कारण इसमें भरपूर मात्रा में खनिज, विटामिन और फाइबर पाया जाता हैं। अगर आप इसमें सोयाबीन, सूखे मेवे और अंडा आदि मिला देते है, तो इसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन भी प्राप्त हो जाती है।

अधिक मात्रा में कार्बोहाइड्रेट

पोहे में भरपूर मात्रा में कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है। जिसका सेवन करने से आपके शरीर को ऊर्जा और कई बीमारियों से लड़ने की ताकत मिलेगी।

कम मात्रा में होता है ग्लूटेन

अगर किसी चीज में अधिक मात्रा में ग्लूटेन होगा और उसका सेवन करने से आपको पेट संबंधी कई समस्याएं हो सती हैं। इसलिए इसका सेवन करना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। क्योंकि इसमें बहुत ही कम मात्रा में ग्लूटेन होता है।

डायबिटीज रोगियों के लिए फायदेमंद

अगर आपके घर में कोई डायबिटीज का मरीज है, तो उसे पोहा खाने को दे। इससे कम भूख लगती हैं। साथ ही ब्लड प्रेशर भी ठीक रहता हैं। इसके साथ ही आप जंक फूड और मीठे खाने से बच सकते हैं।

गेंदे के फूल के भी है कई लाभ

गेंदे के फूल वैसे तो बहुत से काम में इस्तेमाल होते है। खासकर शादी और त्यौहार पर गेंदे के फूल सजावट के रूप में भी लिए जाते हैं। वही गेंदे का फूल सौन्दर्य के लिए भी काफी फायदेमंद है। जानते हैं इसके कुछ फायदे के बारे में।

अगर घर में मच्छरों को कम या दूर करना हो तो घर के आसपास गेंदे की झाड़ियाँ लगाएं। इसकी गंध से मच्छर दूर भागते हैं।

शरीर के किसी हिस्से में सूजन आ जाने पर इन फूलों को पीसकर पेस्ट बनाकर लगाने लाभकारी होता है।

यह चेहरे के मुहासे को दूर करता है। मुहासे पर जलन होना स्वाभाविक है। इससे निजात पाने के लिए गेंदे से बने प्रोडक्ट का इस्तेमाल करें। गेंदे के फूलों से बनने वाले तेल से चेहरे की मालिश करने पर रक्त परिसंचरण में सुधार होता है। साथ ही गेंदे के तेल से मालिश करने से त्वचा में निखार आता है। गेंदे के सूखे फूल को लेकर तीन कप पानी में मिलाये। एक घण्टे बाद फूलों को निकाल ले। उसके बाद पानी ठंडा करके बालो में उपयोग करें ये बालो के लिए कंडीशनिंग का काम करेगा

घर एक मंदिर की तरह होता है

घर एक मंदिर की तरह होता है। अगर उसमें रहने वाले सदस्य रोज आपस में ही झगड़ते रहें तो यह मंदिर अपवित्र होने लगता है। इसके कई कारण हो सकते हैं, पर सबसे बड़ा कारण है। घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होना।

घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश कैसे हो ? इसके लिए हम कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं जिन्हें आप आजमाते हैं तो ज़ाहिर है आप के घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होने लगेगा और आपका घर फिर से मंदिर की तरह हो जाएगा।

1. मोर पंख को अगर आप घर के अंदर हाथों से ऊपर से नीचे फहराते हैं तो आपके घर की आसपास की नकारात्मक ऊर्जा घर से चली जाती है।
2. बांसुरी सौभाग्य और ऐश्वर्य का सूचक है। इसे आप घर में थोड़ा तिरछा करके किसी भी दिशा में लगाएं। तो आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।
3. घर के फर्श पर अगर नमक के पानी का पोंछा लगाएं और दक्षिण पश्चिम कोण के अंदर में अलमारी के ऊपर में नमक का ढेला रखें तो सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। ध्यान रखें नमक के ढेले को 4-5 दिनों में बदलते रहिए।
4. घर के मुख्य द्वार पर गणेश प्रतिमा नहीं लगाना चाहिए बल्कि अगर यहां चांदी का स्वास्तिक लगाते हैं तो घर के अंदर नकारात्मक शक्तियों का प्रवेश नहीं कर पाएंगी।। कहते हैं कि वास्तु के 75 प्रतिशत दोष स्वास्तिक लगाने के साथ ही दूर हो जाते हैं।
5. मकान के मुख्य द्वार के आगे शौचालय या रसोईघर का दरवाजा होना या मुख्य द्वार के आगे दीवार या खम्भा होना ठीक नहीं माना जाता है अतैव आप ऐसा घर बनाने से बचें।

रेसिपी

पनीर चिप्स सैंडविच

सामग्री

8 ब्रेड स्लाइस किनारे से कटे हुए थोडे से प्लेन चिप्स 1 प्याज के फ्लेक्स तेल में तल कर निकाले लीजिए 10 पालक के पत्ते किए हुए 1 बडे टमाटर के स्लाइस 3 बडे चम्मच पनीर कसा हुआ स्वादानुसार नमक और काली मिर्च बटर व सजाने के लिए गाजर के लच्छे।

विधि

ब्रेड पर बटर स्प्रे करें। ब्लांच किए हुए पालक के पत्ते ब्रेड स्लाइस पर सेट करें। टोमैटो स्लाइस सेट करें। प्याज फ्लेक्स और पनीर मिलाएं। नमक और काली मिर्च बुरकें। ब्रेड पर रखे टोमैटो स्लाइस पर पनीर का मिश्रण रखें। दूसरे ब्रेड स्लाइस ब्रेड स्लाइस से कवर करें। चिप्स और गाजर के लच्छों के साथ सजाएं। और टेस्टी लज़ीज़ सैंडविच का ज़ायका लीजिये .

देसी अंदाज में विदेशी स्टफ्ड कैबेज रोल्स

सामग्री

उबले हुए गोभी के पत्ते - 8, कटा हुआ प्याज - 2,200 ग्राम S पनीर कसा हुआ,1 कप - टोमेटो प्यूरी, सिरका - 1 छोटा चम्मच, लहसुन - 2 गुच्छे कटे हुए, चीनी - 1 छोटा चम्मच, तेल - 4 चम्मच, नमक और काली मिर्च स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में 6-7 कप पानी में चीनी और नमक डालकर गोभी के पत्तों को दो से तीन मिनट तक उबाल लें. अब पैन में तेल गरम करें. इसमें कटे हुए प्याज डालें इसे तब तक फ्राई करेंगे जब तक यह गोल्डन ब्राउन न हो जाए. अब इसमें पनीर मिलाएं. इसे दो मिनट तक फ्राई करें. ऊपर से डालें थोड़ा-सा नमक और काली मिर्च और दो से तीन मिनट तक भूनें. अब एक दूसरा पैन लें और तेल गरम करें. इसमें लहसुन डालकर फ्राई करें. अब इसमें डालें टोमेटो प्यूरी, सिरका, नमक, चीनी और काली मिर्च पाउडर. इसे अच्छे से मिला लें. इसे दो मिनट तक पका लें. अब गोभी के पत्तों को एक प्लेट पर रखें. इसमें एक चम्मच बनाया हुआ पनीर और प्याज का मसाला भरें और अच्छे से फोल्ड कर लें. अब इसे एक टूथपिक से फिक्स कर लें. ताकि यह खुल न जाए. अब इन रोल्स को बेकिंग ट्रे में रखें. अब इनपर लगी हुई टूथपिक को निकाल दें और इन पर बनाई हुई सॉस डालें. अब इसे माइक्रोवेव में 180 डिग्री पर बेक करें. बाहर निकालने के बाद रोल्स को कसे हुए पीनर से गार्निश करें. लीजिए तैयार हैं आपके कैबेज रोल्स.

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**